वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर
21वाँ
दीक्षान्त समारोह 2018

गतिमान

इक्कीसवाँ दीक्षान्त समारोह 2018

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

उत्तर प्रदेश

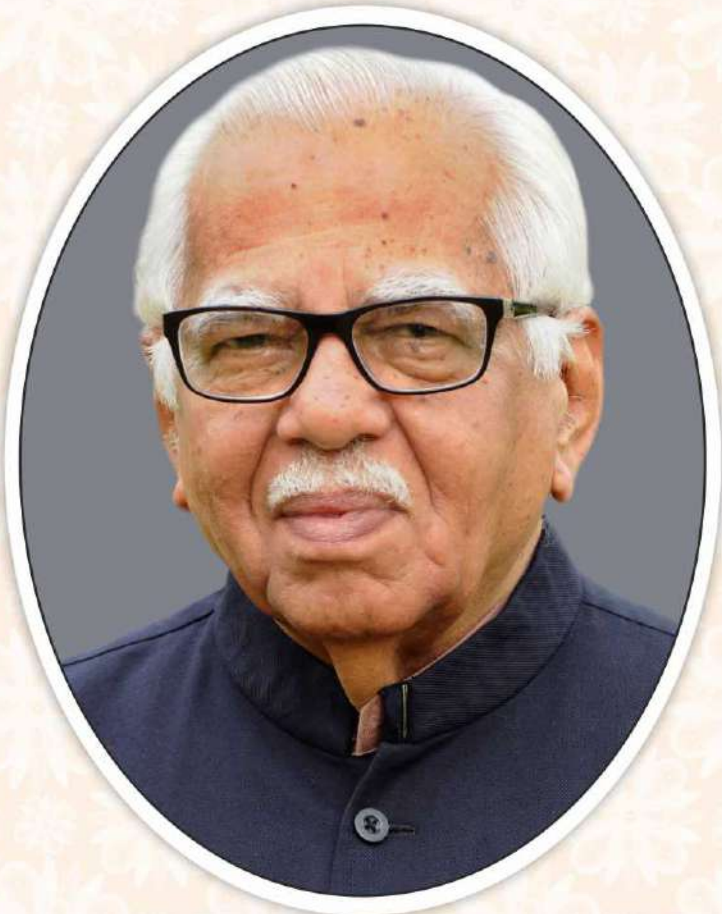

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश

श्री राम नाईक

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

गतिमान–2018

इक्कीसवाँ दीक्षान्त समारोह

22 जनवरी, 2018

प्रो. डॉ. राजाराम यादव
कुलपति

श्री संजीव सिंह
कुलसचिव

श्री एम. के. सिंह
वित्त अधिकारी

प्रो. अजय द्विवेदी
अधिष्ठाता छात्र कल्याण

डॉ. सन्तोष कुमार
कुलानुशासक

प्रो. बी.बी. तिवारी
समन्वयक, टेकिप-III

प्रो. रंजना प्रकाश
निदेशक, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल

डॉ. राज कुमार
चीफ वार्डेन

संपादक मण्डल

डॉ. के. एस. तोमर
डॉ. मनोज मिश्र
डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर
डॉ. पुनीत धवन

www.vbspu.ac.in

21वाँ दीक्षान्त समारोह

जौनपुर : एक समृद्ध विरासत

विभिन्न संस्कृतियों की बाँकी झाँकी का साक्षी रहा जनपद जौनपुर अपनी ऐतिहासिकता को बहुत अतीत तक समेटे हुए है। सदानीरा गोमती के तट पर बसा यह शहर एक परम्परा के अनुसार महर्षि यमदग्नि की तपोस्थली रहा है जिस कारण इसका प्रारंभिक नाम यमदग्निपुर पड़ा तथा कालान्तर में यमदग्निपुर ही जौनपुर के रूप में परिवर्तित हो गया। कतिपय विद्वानों ने इस धारणा पर भी बल दिया है कि यहाँ प्राचीन भारत में यवनों का आधिपत्य रहा है जिस कारण इसका नाम प्रारम्भिक दौर में यवनपुर से कालान्तर में जौनपुर हो गया।

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोतों ने जौनपुर की स्थापना का श्रेय फिरोजशाह तुगलक को दिया है, जिसने अपने भाई मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खां) की स्मृति में इस नगर को बसाया और इसका नामकरण भी उसके नाम पर किया। फिरोजशाह तुगलक ने जौनपुर की स्थापना 1359 ई. में की तथा 1360 ई. में जौनपुर किले की नींव रखी। जौनपुर सल्तनत वर्ष 1394–1479 ई. तक उत्तर भारत की एक स्वतंत्र राजधानी रही जिसका शासन शर्की सल्तनत द्वारा संचालित था। लेकिन एक खास बात यह है कि जौनपुर राज्य का संस्थापक मलिक सरदार (सरवर) फिरोज शाह तुगलक के पुत्र सुलतान मुहम्मद का दास था जो अपनी योग्यता से 1389 ई. में वजीर बना। सुलतान महमूद ने उसे मलिक–उस–शर्क की उपाधि से नवाजा था। 1399 ई. में उसकी मृत्यु हो गयी। उसके पद के कारण ही उसका वंश शर्की–वंश कहलाया। ज्ञातव्य है कि उसको कोई संतान नहीं थी, उसके बाद उसका गोद लिया हुआ पुत्र मुबारक शाह गद्दी पर बैठा था। 1402 ई. में मुबारक शाह की मृत्यु हो गयी। इसके बाद उसका भाई इब्राहिमशाह शर्की जौनपुर राज सिंहासन पर बैठा। इब्राहिमशाह के बाद उसका पुत्र महमूदशाह फिर हुसैन शाह तथा अन्ततः जौनपुर 1479 ई. के बाद दिल्ली सल्तनत का भाग बन गया।

जौनपुर में सरवर से लेकर शर्की बंधुओं ने 75 वर्षों तक स्वतंत्र राज किया। इब्राहीम शाह शर्की (1402 ई.–1440 ई.) के समय में जौनपुर सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत उपलब्धि हासिल कर चुका था। उसके दरबार में बहुत सारे विद्वान थे जिन पर उसकी राजकृपा रहती थी। उसके राज–काल में अनेक ग्रंथों की रचना की गयी। तत्कालीन समय में जौनपुर शिक्षा का बहुत बडा केंद्र था। यह भी कहा जाता है कि इब्राहीम शाह शर्की के समय में ईरान से 1000 के लगभग आलिम (विद्वान) आये थे जिन्होंने पूरे भारत में जौनपुर को शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र बना दिया था। इसी कारण जौनपुर को 'शीराज–ए–हिंद' कहा गया। शीराज का तात्पर्य श्रेष्ठता से होता है। उसी समय जौनपुर में कला–स्थापत्य की एक नई शैली का जन्म हुआ, जिसे जौनपुर अथवा शर्की शैली कहा गया। कला–स्थापत्य की इस शैली का निदर्शन यहाँ पर आज भी अटाला मस्जिद में किया जा सकता है। अटाला मस्जिद की आधारशिला फिरोजशाह तुगलक द्वारा 1376 में की गयी जिसे 1408 में इब्राहीम शाह ने पूरा किया। जौनपुर में गोमती नदी के शाही पुल का निर्माण कार्य मुगल बादशाह अकबर ने 1564 ई. में प्रारंभ करवाया जो 1569 ई. में बनकर तैयार हुआ। यह शाही पुल अकबर के सूबेदार मुनीम खाँ के निरीक्षण में बना। शर्की सुल्तानों ने जौनपुर में कई सुन्दर भवन, एक किला, मकबरा तथा मस्जिदें बनवाईं। जौनपुर की जामा मस्जिद को इब्राहीम शाह ने 1438 ई. में बनवाना प्रारंभ किया था और इसे 1442 ई. में इसकी बेगम राजीबीबी ने पूरा करवाया। 1417 ई. में चार अंगुल मस्जिद को सुल्तान इब्राहीम के अमीर खालिस खाँ ने बनवाया। जौनपुर की सभी मस्जिदों का वास्तु प्रायः एक जैसा है। शेरशाह सूरी की सारी शिक्षा–दीक्षा जौनपुर में हुई। हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत और 'खयाल' के विकास में हुसैन शाह (1458–1479 ई.) का अपना योगदान रहा। इस दौरान कई रागों की रचना की गयी जिसमें प्रमुख हैं 'मल्हार–स्याम', 'गौर–स्याम', 'भोपाल–स्याम', 'जौनपुरी बसन्त', 'हुसेनी' या 'जौनपुरी असावरी' जिसे राग जौनपुरी कहा जाता है।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनपद के अमर शहीदों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपना जीवन बलिदान कर दिया। आज भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर स्थापित शहीद स्तम्भ उनके बलिदान की याद दिलाते हैं। इस जनपद के लोगों ने साहित्य, प्रशासनिक सेवा और विज्ञान अनुसन्धान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में जनपद का नाम रोशन किया है। इसकी निरन्तरता अद्यतन बनी हुई है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
21वाँ दीक्षान्त समारोह

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पूर्व में पूर्वांचल विश्वविद्यालय) की स्थापना जौनपुर के लोगों के परिश्रम तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह के प्रयास के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित गजट संख्या 5005 / 15–10–87–15 (15)–86 टी. सी. दिनांक 28 सितम्बर 1987 के तहत 02 अक्टूबर 1987 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन पर्व पर की गई। कालान्तर में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का नाम स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय रखा गया। इस विश्वविद्यालय के स्थापना के साथ ही गोरखपुर विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र का एक बड़ा भाग इसमें स्थानांतरित कर दिया गया। आरम्भ में इस विश्वविद्यालय में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, संत रविदासनगर भदोही, कौशाम्बी, इलाहाबाद तथा सोनभद्र सहित कुल 12 जिलों के 68 महाविद्यालयों को इससे सम्बद्ध किया गया था।

प्रारम्भ में विश्वविद्यालय का कार्यालय प्रथमतः टी.डी. कालेज जौनपुर के फार्म हाउस के भवन पीली कोठी में प्रारम्भ हुआ। उत्तर प्रदेश शासन ने विश्वविद्यालय हेतु भूमि अधिगृहित करने के लिए कुल 85 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की तथा अधिकारियों सहित कुल 67 पद स्वीकृत किये। शासन द्वारा सृजित पदों पर नियुक्तियाँ हुई और यहीं से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा प्रारम्भ हुई। जिला प्रशासन ने जौनपुर शहर से लगभग 12 किमी. दूर जौनपुर शाहगंज मार्ग पर देवकली, जासोपुर ग्राम सभाओं की कुल 171.5 एकड़ भूमि अधिग्रहीत कर विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई।

वर्ष 1994 में विश्वविद्यालय ने अपने नवनिर्मित निजी प्रशासनिक भवन में कार्य करना प्रारम्भ किया और इसी के साथ ही विश्वविद्यालय का आवासीय स्वरूप विकसित होना प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में परिसर स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रहने के लिए फ्लैट्स तथा ट्रांजिट हॉस्टल की भी व्यवस्था है। इसके अलावा छात्र सुविधा केन्द्र, संगोष्ठी भवन, अतिथि गृह, शिक्षक अतिथि गृह, राष्ट्रीय सेवा योजना भवन, रोवर्स रेंजर्स भवन हैं। इसके साथ ही विभिन्न संकायों के लिए अलग–अलग भवनों का निर्माण किया गया है जो अत्याधुनिक लैब, इण्टरनेट – वाईफाई एवं सी.सी. कैमरे से सुसज्जित हैं।

विद्यार्थियों को शहर से दूर परिसर में उच्च गुणवत्ता से युक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित है। इसमें परम्परागत पुस्तकालय सुविधा के अतिरिक्त इसका आधुनिकीकरण करके ई–लाइब्रेरी के तहत छात्रों को ईजर्नल, ई–बुक की सुविधा उपलब्ध करायी गई है, इसके साथ ही एडुसैट व्यवस्था के अन्तर्गत छात्रों को इग्नू, यूजीसी, एआईसीटीई वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की गई है। परिसर के छात्रों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के योग्य बनाने हेतु आधुनिक खेल सुविधा से युक्त एकलव्य स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर पहुँचाया है। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विभिन्न जनपदों में असहाय लोगों के लिए बापू बाजार का आयोजन किया जाता है। परिसर को हरा–भरा करने के लिए वर्ष 2014 से एक छात्र एक पेड़ योजना संचालित की जा रही है जिसमें छात्रों से पौधरोपण कराकर उसके देख–रेख की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी जाती है। इंजीनियरिंग संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली में आधुनिक संसाधनविहीन बच्चों को निःशुल्क कोचिंग पढ़ायी जाती है। यह देश का एक मात्र विश्वविद्यालय है जहाँ अनुसन्धान के उन्नयन हेतु पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप की व्यवस्था की गई है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विगत 05 जून को विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अस्थाई प्रमाण पत्र एवं प्रवजन (माइग्रेशन) प्रमाण पत्र देने की शुरुआत हो चुकी है।

विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग की छः शाखाओं इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा बी फार्मा की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर स्तर पर एम.सी.ए., एम.बी.ए., एम.बी.ए. (बी.ई.), एग्रीबिजनेस, ई–कामर्स, एम.बी.ए. (एफ.सी.), एम.बी.ए. (एच.आर.डी.), एम.ए. मास कम्यूनिकेशन, व्यावहारिक मनोविज्ञान, एम.एस.सी. बायोटेक्नॉलाजी, पर्यावरण विज्ञान, अप्लायड माइक्रो बायोलॉजी, अप्लायड बायोकेमेस्ट्री विषयों की शिक्षा प्रदान की जाती है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर छात्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं।

The University

Vision Statement

- Developing the University as an excellent centre of learning which offers quality higher education opportunity to all who deserve it and catalyses academic excellence in the society.
- Promoting research in the field of science, technology, humanities, literature, economics, social science, law, agriculture and allied disciplines.
- Creating an environment to motivate and support the academia to undertake advance studies and researches, to the benefit of the Nation and humanity as a whole.
- Preparing graduates acquainted and trained with the knowledge, communication skills and computer proficiency to meet the expectations of the global economy.

Stage one

i. Upgrading and restructuring class rooms, laboratories and libraries.
ii. Improving living standards of students and teachers in the campus by refurbishing hostels and staff quarters.
iii. Building Central Infrastructure of the University like Roads, Light, Sports, Auditorium, Conference-Halls, Guest House, Cafeteria.
iv. Developing state-of-the-art office network and accountability of registry.

Stage two

i. Putting in place a fair & transparent system of admission and examination, faster in processing with worldwide accessibility.
ii. Re-orienting the existing curriculum to achieve academic goal of quality teaching and research.
iii. Introducing innovative teaching programs with appropriate facilities and laboratories.
iv. Implementing accessible and low cost courses to cater the need of every one.

Stage three

i. Industry-interface for placement of pass outs.
ii. Mobilizing research grants and projects.
iii. Establishment of the Centers of Excellence.
iv. Signing MOU with foreign universities for collaborative teaching and research.

Faculties / Courses

Faculty of Agriculture

Departments (U.G. & P.G.)

- Agriculture Botany
- Agriculture Chemistry
- Agriculture Zoology & Entomology
- Agriculture Economics
- Agriculture Extension
- Horticulture
- Plant Pathology
- Animal Husbandry and Dairy
- Soil Conservation
- Agriculture Engineering
- Agronomy
- Genetics and Plant Bidding

Faculty of Arts

Departments (U.G. & P.G.)

- Sanskrit and Prakrit Language
- Hindi and Modern Indian Language
- Arbi, Farsi and Urdu
- English & Modern European Lang.
- Philosophy
- Psychology
- Education
- Economics
- Political Science
- Anthropology
- Ancient History, Archeology & Culture
- Medieval And Modern History
- Sociology
- Geography
- Fine Arts
- Library Science
- Music

Faculty of Commerce

Departments

- Department of Commerce (B.Com., M.Com.)

Faculty of Education

Departments

- B.Ed.
- M.Ed.

Faculty of Law

Departments

- Department of Law
  LL.B.
  LL.M.

Faculty of Sciences

Departments (U.G. & P.G.)

- Physics
- Chemistry
- Botany
- Zoology
- Mathematics
- Statistics
- Geology
- Defence Study
- Home Science
- Computer Science
- Bio-Chemistry
- Biotechnology
- Food and Nutrition
- Microbiology
- Industrial Fishery and Fisheries
- Industrial Chemistry
- Silk and worm culture
- Phys. Edu., Health Education & Sports
- Environmental Science
- Applied Microbiology
- Applied Biochemistry

Faculty of Medicine

Departments (U.G.)

- Pharmacy
- Medicine

Faculty of Engineering & Technology

Departments (U.G.)

- Electronics and Communication Engineering
- Electrical Engineering
- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Information Technology
- Electronics & Instrumentation Engineering
- Master in Computer Applications
- Applied Physics
- Applied Chemistry
- Applied Mathematics
- Humanities & Social Sciences

Faculty of Management Studies

Departments

- Department of Business Administration
- Department of Human Resource Development
- Department of Finance & Control
- Department of Business Economics

Faculty of Applied Social Science

Departments

- Department of Applied Psychology
- Department of Mass Communication

The Vice-Chancellor

Prof. Dr. Raja Ram Yadav B.Sc., M.Sc. (Physics) and Ph.D. on Ultrasonics from University of Allahabad has a teaching and research experience of over 35 years. He is Professor of Physics, Department of Physics (UGC Centre of Advanced Studies) University of Allahabad, Allahabad U.P. He served the country as a Geophysicist (wells) in Oil and Natural Gas commission (ONGC), India during 1983 to 1988. He served the society as a whole time social worker from 1988 to 1992. He has published more than 121 research papers in the journals of international repute and supervised 16 students for their Ph.D. degree. He has delivered more than hundred invited talks on the topics of Ultrasonics, Nanoscience and Technolgy, Ultrasonics in Nanoscience & Technology, Laser Spectroscopy, Ultrasonics-Nondestructive Characterization Sciences of Nanofluids, Nanocomposites, Nanocomposites-GMR materials, Materials for Biomedical Applications and LPG/humidity sensing applications. Dr. Yadav completed several major research projects costing around 5 crores funded by DST, DRDO, UGC etc. He organized several conferences and workshops. Prof. R. R. Yadav has successfully synthesized first time the nanofluiditic GMR materials developing ultrasonic based chemical method . Dr. Yadav developed the ultrasonic mechanism to predict anomalous enhancement of the temperature dependent thermal conductivity of the nanofluids and theoretically modeled the experimental results very important for coolant technology in microchannels and medical applications. Dr. Yadav developed the ultrasonic spectroscopy method replacing the expensive TEM/SEM to determine the size of nanoparticles and their distribution in liquids. Prof. Yadav is recipient of numerous distinctions/awards including prestigious INSA-Teacher Awards-2012 by Indian National Science Academy, M.S. Narayanan Memorial Lecture Award-2011, Dr. M. Pancholi Award, Dr. S. Parthsarthi Award -2012, Best Research paper Award on the work by Acoustical Society of America-2004 and 2010 (Indian Chapter), Swadeshi Vigyan Puruskar-2002, Prayag Gaurav Samman (2010) for outstanding contribution in the field of education. Distinguished Teacher Award (2016) by Gandhiyan Academic Sansthan, Allahabad. He has been honored by Vishwa Ayurved Parishad (2009) on delivered a popular lecture as a chief guest on Gold nanopaticles in Ayurvedic Sciences. He has delivered the lecture as a chief guest /key note speaker in National Workshop on Biological effects of mobile radiation at Jaipur National University, Rajasthan India and National Workshop on Material Characterization by Ultrasonics in New Delhi-2012 etc. He is member of Governing Council of Vikram University Ujjain (M.P.) and Aryabhatta Research Institute of Observational Sciences (ARIES) Nainital, Uttarakhand. He is Secretary of Materials Research Society of India (MRSI) Allahabad chapter and All India Vice-President of Ultrasonics Society of India and coopted Advisor of the National Academy of Sciences, India (NASI)-Allahabad chapter. He is life member of MRSI, Microscopic Society of India. Dr. Yadav is Life Fellow of Ultrasonics Society of India, Acoustical Society of India, Institute of Allahabad Sciences, Indian Academy of Soceal Sciences and life member of Polymer Society of India and Vigyan Bharti New Delhi. He is reviewer of several international research journals. He is expert member of UGC, DST, UPPSC Alld, PSC Uttarakhand IIIT-Allahabad etc. He has visited Canada, USA, Germany, Japan, Sweden, Italy, France, Spain, Singapore, Belgium, Nepal and Austria to deliver the research lectures. He has been taking very sincere part in social activities to the nation's pride since last four decades and worked in the capacity of President-Gramin Vikas evam Paryavarn Sansthan, Secretary of Sanskritic Gaurav Sansthan, Pradhan of Keshari Nandan Sewa Sansthan and President of Swami Shanti Dev Sewa Mandal. He has knowledge of Assammese, Sanskrit, Bengali, English alongwith his mother tongue Hindi. Apart From a renowned scientist and social worker and distinguished popular Professor, he is a great singer and performed vocal classical Indian music in so many public programs in different places such as Dehradun, Nazira (Assam), Delhi, Jhansi (U.P.), Hamirpur (U.P.) Allahabad, Chitrakoot (M.P.), Haryana etc.

कुलपति जी का उद्बोधन

माननीय कुलाधिपति, इक्कीसवें दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष, माननीय श्री राम नाईक जी, समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविख्यात वैज्ञानिक पद्मभूषण, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के पूर्व अध्यक्ष–प्रो0 श्री कृष्ण जोशी जी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति दिलीप बाबासाहेब भोसले जी, विख्यात वैज्ञानिक प्रो0 बालकृष्ण अग्रवाल जी, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष–प्रख्यात समाज सेवी मा0 आशीष जी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मा0 दिनेश कुमार सिंह जी, सुश्री जूथिका पाटणकर, प्रमुख सचिव, राजभवन, श्री संजय अग्रवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा उ0प्र0 शासन, कार्यपरिषद, विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण, समारोह में उपस्थित जन प्रतिनिधिगण, सम्मानित अतिथिगण, समस्त शिक्षक, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, प्रशासनिक अधिकारीगण, इलेक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार बन्धुओं, उपाधि प्राप्तकर्ता एवं स्वर्णपदक विजेता मेधावियों, समस्त विद्यार्थियों तथा अभिभावकगण।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इक्कीसवें दीक्षान्त समारोह के शुभ अवसर पर मैं विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से अपने राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन में अन्वेषणात्मक कीर्तिमान प्रस्तुत करने वाले पिता तुल्य हमारे संरक्षक, हमारे मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत माननीय श्री राम नाईक जी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। माननीय कुलाधिपति जी के प्रेरणादायी, मौलिक एवं व्यावहारिक निर्देशन ने प्रदेश के विश्वविद्यालयी उच्चशिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाओं के साथ नई सोच, नई दिशा तथा नव चेतना को पुनः जाग्रत किया है। आपकी जनचेतना से जुड़ी हुई संवेदनशीलता एवं पूरे प्रदेश की उच्चशिक्षा को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय धारा में लाने की कटिबद्धता से शिक्षा जगत आश्वस्त हुआ है।

समारोह के मा0 मुख्य अतिथि विश्व के शीर्षस्थ वैज्ञानिकों में से हैं। विज्ञान के प्रति आपका जीवन पूर्णतया समर्पित है। पद्म भूषण, महान वैज्ञानिक एवं लोकप्रिय प्रोफेसर होते हुए आपका सरल चित्त विनम्र एवं छात्रों के हित के लिए संघर्षशील अन्वेषक उदारमना व्यक्तित्व उच्चशिक्षा, विज्ञान जगत की युवा पीढ़ी के लिए सहज अनुकरणीय, मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत है। आपने दीक्षान्त समारोह में उद्बोधन के लिये हमारे निमन्त्रण को स्वीकार किया, जिसके लिए विश्वविद्यालय परिवार हृदय से आपका आभारी है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति दिलीप बाबासाहेब भोसले सहयोगी टीम में अपने कर्मठ व्यक्तित्व से प्राणवान उर्जा का संचार करते हैं। आपने अनेकों ऐतिहासिक निर्णय कर न्यायपालिका में विशिष्ट स्थान बनाया है। आपने हमारे विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डी0 लाज0 मानद उपाधि स्वीकारने हेतु हमारे आग्रह को स्वीकार किया और हमारे विनम्र आमंत्रण पर दीक्षान्त समारोह में पधार कर आपने कृपा की है। हम आपका तहे दिल से स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं।

समाज सेवा के क्षेत्र में अपने राष्ट्र को ही अपना परिवार मानकर जिन्होंने सम्पूर्ण जीवन कुष्ठ पीड़ित परिवारों एवं अन्य वंचित समाज के उन्नयन हेतु समर्पित किया है एवं अनेकों युवाओं को इस महत्कार्य में भागीदार बनने की प्रेरणा दी है ऐसे अपने दिव्य प्रेम सेवा मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 आशीष जी का हम अभिनंदन करते हैं। आपके हम आभारी है कि आपने विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डी0 लिट0 की मानद उपाधि को स्वीकार किया है।

विश्वविद्यालय के इस इक्कीसवें दीक्षान्त समारोह के पावन अवसर पर मैं उन सभी विभूतियों विशेषकर पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 वीर बहादुर सिंह, पूर्व सांसद स्व0 श्री अर्जुन सिंह यादव का स्मरण करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। जिनके सद्प्रयासों से अस्तित्व में आया पूर्वांचल की जनता के लिये ज्ञान का यह प्रकाश स्तम्भ अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अग्रसर है। पूर्वांचल की भूमि के जिस स्थल पर यह विश्वविद्याकेन्द्र स्थापित हुआ है उस जौनपुर का ऐतिहासिक ही नहीं, वरन एक प्राचीन पौराणिक महत्व भी है। पौराणिक, आख्यानों के अनुसार पूर्वांचल का यह क्षेत्र ऋषि भृगु, महर्षि जमदग्नि, महर्षि दुर्वासा एवं महर्षि देवल की तपस्थली रही है।

आज मैं, सभी उपाधि तथा स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने अपने अनवरत परिश्रम के बल पर ज्ञान अर्जन कर जीवन का एक अहम पड़ाव पार किया है। ज्ञान का नवसृजन इस पीढ़ी को निरन्तर नई दिशा की ओर अग्रसर करता रहेगा। प्रिय विद्यार्थियों आज आपने स्नातक, परास्नातक एवं पी–एच0डी0 की उपाधि को अर्जित कर अपने गुरूजनों, अभिभवकों एवं विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाया है। उमंग एवं उत्साह के साथ विजय का विश्वास लेकर उठो, साहसी बनो, वीर्यवान होओ। राष्ट्र के उन्नयन हेतु भविष्य में सब उत्तरदायित्व अपने कन्धों पर लो। यह याद रक्खो कि तुम स्वयं अपने भाग्य निर्माता हो। इस ज्ञान रूप शक्ति के सहारे अपने हाथों अपना एवं राष्ट्र का भविष्य गढ़ डालो। हमारा प्रयास है कि आप पारिवारिक, सामाजिक, ग्रामीण, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक मुकाबला कर देश ही नही बसुधैव कुटुम्बकम् के आदर्श को चरितार्थ करते हुए दुनियॉं का नेतृत्व करें। जैसे सत्य को कहने के लिए किसी शपथ की जरूरत नहीं होती। नदियों को बहने के लिए किसी पथ की जरूरत नहीं होती। बढते है अपने जमाने में अपने मजबूत इरादों पर, उन्हें अपनी मंजिल पाने के लिये किसी रथ की जरूरत नहीं होती। स्वयमेव मृगेन्द्रता सिद्धान्त पर केन्द्रित होकर, सर्व भूतहिते रताः का उद्देश्य लेकर अपने हौसले बुलन्द रखें, परिश्रम में कमी न आने दें। मंजिल तुम्हारे चरण चूम लेगी।

बौद्धिक विकास की यह प्रयोगशाला, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य में निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

माननीय कुलाधिपति जी की प्रेरणा से विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा मूल्यांकन में बी+ की श्रेणी में आ चुका है। गुणवत्ता के लिये पारदर्शिता अनिवार्य तत्व है। इस हेतु 2016–17 में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों का AISHE पर 100 प्रतिशत पंजीकरण पूर्ण हो चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा 2015 से ही पी–एच0डी0 उपाधियों को यू0जी0सी0 द्वारा निर्धारित "शोध गंगा" कार्यक्रम पर पंजीकृत कराया जा रहा है। अभी तक कुल 7550 शोध प्रबन्ध "शोध गंगा" में अपलोड कराके देश में विश्वविद्यालय का तीसरा स्थान है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट को पुनः रेखांकित किया गया है। परीक्षा, प्रवेश सम्बन्धी कार्यवाही एवं प्रमाण पत्र लगभग डिजिटाइजेशन मोड में परिवर्तित हो चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को सेन्टर आफ एक्सीलेन्स घोषित किया गया है।

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध पाँच जनपदों के 805 महाविद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2017–18 के शैक्षिक कलेण्डर अनुसार समयबद्ध ढंग से प्रवेश, शिक्षण कार्य, परीक्षा आवेदन पत्र, परीक्षा संचालन हेतु कार्यवाही की जा रही है।

राज्य सरकार के सहयोग से RUSA (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए अनुदान से रिसर्च इनोवेशन सेन्टर का निर्माण पूरा हो चुका है। पर्यावरण संरक्षण हेतु एक छात्र एक पेड़ अभियान अनवरत चलाया जा रहा है।

मा0 कुलाधिपति जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान बड़े पैमाने पर चलाया गया।

विश्व योग दिवस पर जबलपुर (म0प्र0) से पधारे पू0 महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद जी के अशीर्वाद की छाया में हमारे हजारों छात्रो ने योग का संदेश समाज जीवन में प्रसारित कर अग्रणी भूमिका निभायी। प्रतिदिन योग कक्षायें संचालित हो रही है। लगातार चार वर्षो से माननीय कुलाधिपति जी द्वारा राजभवन में हमारे पदक प्राप्त खिलाड़ियों को सम्मानित किया जा रहा है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, गुरू शिष्य सम्बन्धों पर आधारित 'श्वेताश्वतरोपनिषद' के शान्ति पाठ से संकलित अपने विश्वविद्यालय के ध्येय वाक्य "तेजस्विनावधीतमस्तु" को आत्मसात एवं प्रसारित करते हुए भारत को "विश्वगुरू" स्थान पर पुनर्प्रतिष्ठित करने की दिशा में प्रगति के पथ पर गतिमान है।

- यह देश का एकमात्र विश्वविद्यालय है जहां गत 4 मास पूर्व अनुसंधान के उन्नयन हेतु पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप की व्यवस्था की गई है।
- पी–एच0डी0 प्रोग्राम में प्रवेश हेतु राष्ट्रीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा कराकर समय से परीक्षाफल घोषित कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने वाला राज्य का अग्रणी विश्वविद्यालय है।
- गत 5 महीनों के अन्दर एक दिवसीय "जी0एस0टी0" तथा त्रिदिवसीय "Growth of Science & Technology in the Campus of Purvanchal University" तथा "Indian University Education System" जैसे महत्वपूर्ण सामायिक विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया है। जिसमें हमारे मा0 शिक्षा मत्री, उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी, प्रो0 कृष्णलाल (FNA) पूर्व निदेशक राष्ट्रीय भौतिकीय प्रयोगशाला, नई दिल्ली एवं प्रो0 बालकृष्ण अग्रवाल (FNA) तथा प्रो0 कुलदीप अग्निहोत्री सहित लगभग 150 सुप्रसिद्व वैज्ञानिकों, शिक्षाविदो के साथ स्वयं हमारे माननीय कुलाधिपति जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। तीन मास पूर्व विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विश्वविद्यालीय क्षेत्र के हमारे ग्रामीण जनमानस में राष्ट्रीय चारित्रिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक जीवन धारा संचार के लिये देश के इतिहास में हमारा प्रथम विश्वविद्यालय है जिसने सुविख्यात कथा वाचक –आचार्य शान्तनु महाराज के श्री मुख से प्रवाहित "श्री रामकथा अमृत वर्षा" का आयोजन किया है।
- विश्वविद्यालय के छात्रों में राष्ट्रभक्ति जगाने हेतु भारत सरकार द्वारा स्वीकृत "राष्ट्रीय सेवा योजना" कार्यक्रम चलाया जा रहा है। देश में सबसे अधिक " राष्ट्रीय सेवा योजना" के 60 हजार स्वयं सेवक हमारे विश्वविद्यालय से हैं।
- अगामी गणतन्त्र दिवस की दिल्ली परेड में प्रदेश के विश्वविद्यालयों से चयनित कुल 06 छात्रों में 02 पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र हैं।
- मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा सरकार के तकनीकी उन्नयन कार्यक्रम के अन्तर्गत (TEQIP) विश्वविद्यालय का इन्जीनियरिंग संस्थान अग्रणी रूप से आच्छादित है।
- विश्वविद्यालय के तीस वर्षो के इतिहास में पहली बार प्लेसमेन्ट की नवनियुक्त निदेशक प्रो0 रंजना प्रकाश जी के अथक प्रयास से देश के प्रमुख औद्योगिक संस्थानों ने दिसम्बर माह में विश्वविद्यालय के 30 विद्यार्थियों को कैम्पस सेलेक्शन में चयनित किया है। विद्यार्थियों में इसको लेकर अत्यन्त उत्साह एवं आशा की किरण जगी है।
- विश्वविद्यालय में यू0जी0सी0 के सहयोग से IAS की फ्री कोचिंग व्यवस्था भी छात्रों के लिये प्रारम्भ की जा रही है।
- छात्रों तथा समीपवर्ती जनसमाज में भारतीय ललित कला एंव संस्कृति के उन्नयन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय उच्चस्तरीय शास्त्रीय संगीत में गायन एवं कथक नृत्य के सराहनीय आयोजन किये गये। विश्वविद्यालय के इतिहास में शास्त्रीय संगीत का आयोजन पहली बार हुआ है।
- बहुत वर्षो से प्रतीक्षित शिक्षकों / कर्मचारियों की प्रोन्नति प्रक्रिया भी पूरी कर ली गयी है। साथ ही रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया भी समाप्ति की ओर है।
- आगामी सत्र 2018–19 से विश्वविद्यालय प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान, वैकल्पिक उर्जा अनुसन्धान केन्द्र, नैनो साइंस एण्ड टेक्नोलाजी सेन्टर, आशोक सिहंल परम्परागत भारतीय विज्ञान अनुसन्धान संस्थान, एवं गोरक्षनाथ आध्यात्मिक विज्ञान एवं योग केन्द्र तथा इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेन्ट एण्ड टूरिज्म की स्थापना करने जा रहा है। संवैधानिक प्रक्रिया लगभग पूर्ण कर ली गई है।
- विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में गत् 12 जनवरी, को विश्ववंद्य दुनियॉं में संक्रान्ति के अग्रदूत स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती पर हमने लगभग 40 हजार छात्रों की (कड़ाके की सर्दी के बावजूद) उपस्थिति में " राष्ट्रीय युवा दिवस" का आयोजन किया। उस दिन भगवान आदित्य ने तो दर्शन नही दिया किन्तु उ0प्र0 प्रदेश के तेजस्वी मुख्यमन्त्री, युवापीढ़ी के आकर्षण केन्द्र पूज्य महन्त श्री योगी आदित्य नाथ जी ने स्वयं विश्वविद्यालय पधारकर हमारे विश्वविद्यालय परिवार को राष्ट्रीय सामाजिक जीवन में सर्वप्रकार की चुनौतियों का सामने करने की प्रेरणा दी। छात्रों में आध्यात्मिकता युक्त देशभक्तिपूर्ण प्रेरणा का संचार करने वाला अद्भुत कार्यक्रम रहा।
- हमारे विश्वविद्यालय के छात्र श्री शील निधि सिंह–बी0टेक0 एवं कु0 पूजा मिश्रा, एम0ए0 ने कम से कम 1 वर्ष बिना किसी अपेक्षा के पूर्णकालिक समाज सेवा करने का संकल्प लिया है।

आदरणीय कुलाधिपति जी आपके संरक्षण में हम अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर प्रयासरत् हैं। आपके मार्गदर्शन से हमारा विश्वविद्यालय अपने निर्धारित उद्देश्यों को निरन्तर प्राप्त कर सकेगा जिसके परिणाम स्वरूप हमारे छात्र देश ही नहीं विभिन्न क्षेत्रों में सम्पूर्ण जगत को नेतृत्व प्रदान करेंगे इसका हमें पूर्ण विश्वास हो रहा है। हमारा प्रयास है कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्विद्यालय प्रदेश ही नहीं, देश के समस्त विश्वविद्यालयों की पंक्ति में सच्चे अर्थो में प्रमुख स्थान प्राप्त करे। "न तु अहं कामये राज्यं न स्वर्गं, न अपुनः भवम्, कामये दुखः–तप्तानां प्राणिनां आर्ति नाशनम्।।" को सार्थक करने वाले हमारे छात्रों के महत्वपूर्ण अनुसन्धान ही विश्वविद्यालय को शीर्ष पटल पर रखदेंगे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की संक्रातिमय उपलब्धियॉं समर्पित शिक्षक, प्राचार्य, प्रबन्धक, कर्मठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम पूर्ण प्रयत्नों एवं हमारे कार्यक्षेत्र के जनसमाज, विश्वविद्यालय के विभिन्न समाज सेवी मित्रों, संस्थाओं तथा उ0प्र0 शासन एवं प्रशासन के सहयोग से ही अर्जित हुई हैं।

मैं सभी स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त कर्ता विद्यार्थियों को पुनः हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ वे अपने–अपने उत्कृष्ठ योगदान से विश्वविद्यालय एवं देश का नाम आलोकित करेंगे। मैं इस महन्त अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में उपस्थित सभी अभिभावकों, डिग्री धारकों, स्वर्ण पदक विजेताओं एवं आमंत्रित स्वनामधन्य समस्त सुधी जनों का "वसंतपंचमी" के पावन दिवस पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ।

जय हिन्द जय भारत।

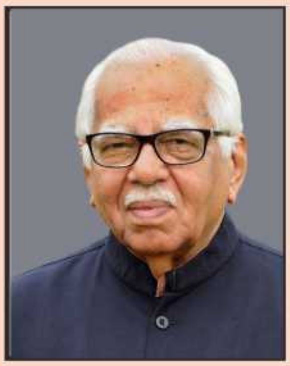

माननीय श्री राम नाईक

कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

परिचय

माननीय श्री राम नाईक जी का जन्म 16 अप्रैल, 1934 को महाराष्ट्र के सांगली जनपद के आटपाडी गाँव में एक मध्यमवर्गीय देशाष्ठ परिवार में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई। पुणे में बृहन् महाराष्ट्र वाणिज्य महाविद्यालय से 1954 में बी.काम. तथा मुंबई में किशनचंद चेलाराम महाविद्यालय से 1958 में एल. एल.बी. की शिक्षा प्राप्त की। श्री नाईक ने अपना व्यावसायिक जीवन 'एकाउंटेण्ट जनरल' के कार्यालय में अपर श्रेणी लिपिक के रूप में शुरु किया। बाद में उनकी उच्च पदों पर उन्नति हुई और 1969 तक निजी क्षेत्र में कंपनी सचिव तथा प्रबंध सलाहकार के रूप में आपने कार्य किया।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने 14 जुलाई 2014 को श्री राम नाईक को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के तौर पर मनोनीत किया। आपने 22 जुलाई 2014 को लखनऊ में पद ग्रहण किया।

आपको साऊथ इंडियन एजुकेशन सोसायटी, मुंबई की ओर से 'राष्ट्रीय श्रेष्ठता पुरस्कार' कांची कामकोटि पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य पूज्य जयेन्द्र सरस्वती के हाथों मुंबई में दिनांक 13 दिसम्बर 2014 को प्रदान किया गया। इसके पूर्व इस पुरस्कार से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ० शंकर दयाल शर्मा और पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम जैसे महानुभावों को अलंकृत किया गया है।

आप श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गठित मंत्री परिषद में 13 अक्टूबर 1999 से 13 मई 2004 तक पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री रहे। इसके पूर्व 1998 की मंत्री परिषद में आपने रेल (स्वतंत्र प्रभार), गृह, योजना एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन और संसदीय कार्य मंत्रालयों में राज्यमंत्री (13 मार्च 1998 से 13 अक्टूबर 1999) के रुप में कामकाज संभाला था।

पेट्रोलियम मंत्री के रुप में आपने अक्टूबर 1999 में पदभार संभाला। कारगिल युद्ध में शहीद वीरों की पत्नियों, निकटस्थ रिश्तेदारों को तेल कंपनियों के माध्यम से पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी की डीलरशिप देने की विशेष योजना भी आपके द्वारा ही मंजूर की गई। संसद भवन पर हुए हमले में शहीद कर्मचारियों के परिवारजनों को भी पेट्रोल पंप आवंटित किए। पेट्रोल–डीजल के वाहनों से प्रदूषण कम हो इसलिए दिल्ली और मुंबई में सीएनजी गैस देना प्रारंभ किया।

आपने 1964 में 'गोरेगांव प्रवासी संघ' की स्थापना कर उपनगरीय यात्रियों की समस्याओं को सुलझाने का कार्य प्रारंभ किया। बाद में रेल राज्यमंत्री के नाते विश्व के व्यस्ततम मुंबई उपनगरीय रेल के 76 लाख यात्रियों को उन्नत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 'मुंबई रेल विकास निगम' की स्थापना की।

संपूर्ण देश में रेल प्लेटफार्मों पर तथा यात्री गाड़ियों में सिगरेट तथा बीड़ी बेचने पर पाबंदी लगाने का ऐतिहासिक काम भी आप द्वारा किया गया। यात्रियों से सुझाव लेकर नई गाड़ियों का नामकरण करने की अनोखी लोकप्रिय पद्धति का प्रारंभ भी आपने ही किया। 11 जुलाई 2006 को लोकल गाड़ियों में हुए बम विस्फोट से पीड़ित परिवारों को सहायता पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए।

आपने महाराष्ट्र के उत्तर मुंबई लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से लगातार पांच बार जीतने का कीर्तिमान बनाया है, इसके पूर्व तीन बार आप महाराष्ट्र विधानसभा में बोरीवली से विधायक भी रहे हैं। राज्यपाल का दायित्व सम्भालने के बाद आपने पहले तीन महीनों का कार्यवृत्त 'राजभवन में राम नाईक' 20 अक्टूबर 2014 को प्रस्तुत किया।

आपने संसद में 'वंदे मातरम्' का गान प्रारंभ करवाया। आपके प्रयासों के फलस्वरुप ही अंग्रेजी में 'बॉम्बे ' और हिन्दी में 'बंबई' को उसके असली मराठी नाम 'मुंबई' में परिवर्तित करने में सफलता मिली। संसद सदस्यों को निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए सांसद निधि की संकल्पना आपकी ही है।

तारापुर अणु ऊर्जा प्रकल्प 3 व 4 के कारण विस्थापित हुए पोखरण व अक्करपट्टी ग्रामवासियों के पुनर्वास पर आपने 'गाथा संघर्षाची' मराठी तथा **'Saga of Struggle'** अंग्रेजी किताबें भी लिखी हैं। 1987 में विख्यात समाजशास्त्री कै. शरद्चंद्र गोखले द्वारा स्थापित इंटरनेशनल लेप्रसी यूनियन, पुणे के आप अध्यक्ष भी रहे हैं।

श्री राम नाईक जी ने अपने जीवन के संस्मरण भी लिखे जो लोक प्रिय मराठी दैनिक 'सकाल' में प्रकाशित होते रहे। बाद में यह पुस्तक रूप में 'चरैवेति! चरैवेती!!'' (चलते रहो, चलते रहो) दिनांक 25 अप्रैल, 2016 को प्रकाशित हुआ। तत्पश्चात इसका अंग्रेजी, हिन्दी, गुजराती और उर्दू भाषा में अनुवाद हुआ है। जनता के प्रति स्वयं की जवाबदेही मानकर आपने सामाजिक जीवन की नींव रखी। विधायक, सांसद और मंत्री के नाते अपनी जवाबदेही निभाते हुए प्रतिवर्ष कार्यवृत्त देते रहे हैं। राज्यपाल पद स्वीकारने के बाद जब 3 महीने पूरे हुए तब राजभवन में राम नाईक पुस्तिका प्रकाशित हुई। उसी श्रृंखला में 1 वर्ष पूरे होने पर कार्यवृत्त प्रस्तुत किया गया। 22 जुलाई 2016 को तथा 3 वर्ष पूर्ण होने पर राजभवन में राम नाईक 2016– 17 तृतीय कार्यवृत्त जारी किया। श्री राम नाईक जी एक विशिष्ट छवि वाले व्यक्ति हैं जो प्रत्येक कार्य में सूक्ष्मता और पारदर्शिता एवं जागरूकता के लिए जाने जाते हैं। 83 वर्ष की आयु में आप कठोर परिश्रम एवं सहर्षता के साथ कार्य में व्यस्त रहते हैं।

आप वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलाधिपति के रूप में विश्वविद्यालय को गुणवत्तापरक शैक्षणिक एवं शोध के विकास के लिए अमूल्य योगदान दे रहे हैं। कुलाधिपति के रूप में आप हमारे लिए प्रेरणा एवं आशा के स्रोत हैं।

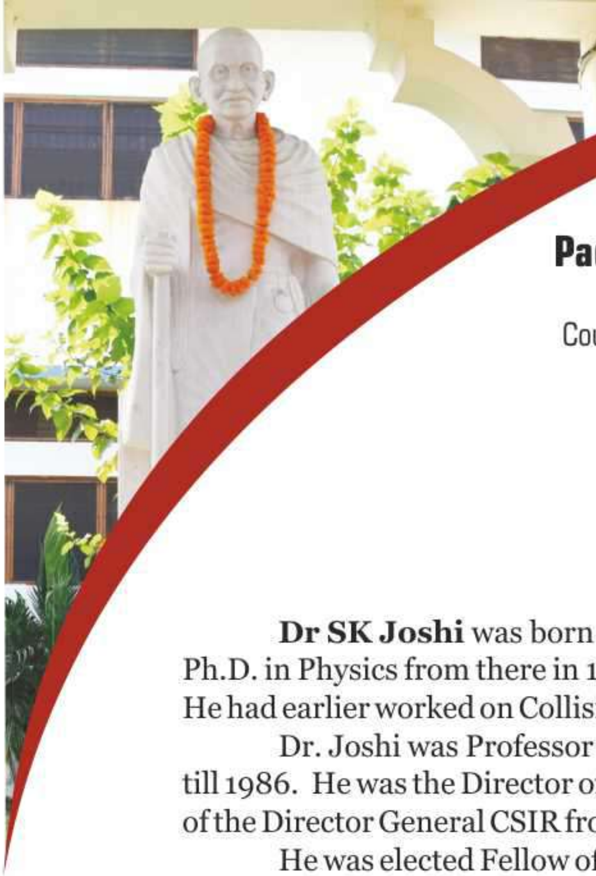

Padma Bhushan Professor S.K. Joshi

Former Director General,
Council of Scientific and Industrial Research (CSIR)
Govt. of India, New Delhi

The Chief Guest

Dr SK Joshi was born on 06 June 1935. He studied at the Allahabad University and did his Ph.D. in Physics from there in 1962. His broad field of research interest is Condensed Matter Theory. He had earlier worked on Collision Processes in Atomic and Molecular Systems also.

Dr. Joshi was Professor of Physics at the University of Roorkee (Now IIT, Roorkee) from 1967 till 1986. He was the Director of National Physical Laboratory from 1986 to 1991. He held the position of the Director General CSIR from 1991 till 1995.

He was elected Fellow of the Indian National Science Academy in 1974 (He was Secretary of the Academy during 1983-86 and Foreign Secretary during 1989 to 92). He was the President of the INSA from 1993 till 1995. He is a Fellow of the Indian Academy of Sciences since 1974 and was its Vice President from 1989 to 91. He is a Fellow of the National Academy of Sciences and was its President for 2001-2002. Dr. Joshi was the President of Indian Physics Association during 1989-90, President of the Materials Research Society of India during 1995-97, and the President of the Indian Science Congress Association for the year 1996-97. Dr Joshi is a Fellow of the Third World Academy of Sciences, and a Foreign Member of the Russian Academy of Sciences.

He won Watumull Memorial Prize for 1965, Shanti Swarup Prize for Physical Sciences for 1972, CSIR Silver Jubilee Award 1973 and Meghnad Saha Award for Research in Theoretical Sciences in 1974. He received FICCI Award in Physical Sciences for 1990, Goyal Prize in Physics from Goyal Foundation in 1993 and Kamal Kumari National Award for Science and Technology for 2011. He received CV Raman Medal of INSA in 1999. He was awarded Padma Shri in 1991 and Padma Bhushan in 2003. He received D.Sc (honoris causa) from Kumaon University in 1994, Kanpur University in 1995, Banaras Hindu University in 1996 , University of Burdwan in 2005, Bhimrao Ambedkar University. (Agra University) in 2008 , Uttarakhand Technical University in2010, and Indian Institute of Information Technology, Allahabad in 2012.

Dr Joshi's major research contributions span over a wide variety of topics in condensed matter theory. His early researches were concerned with theoretical study of phonons in metals and insulators. Dr Joshi later shifted his research focus to electronic states in disordered systems and electron correlations in narrow band solids. He has also worked on surface states and surface segregation. The current research interest of Dr Joshi lies in strongly correlated electron systems like high temperature superconductors. He is also working on theoretical studies of electron transport in nanowires. Dr Joshi has interest in policy issues related to higher education and science and technology.

Dr Joshi has supervised the Ph.D. thesis of 23 scholars and has published more than 190 research papers.

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
21वाँ दीक्षान्त समारोह

Convocation Message

Chief Guest

Padma Bhushan Professor S.K.Joshi

Former Director General, Council of Scientific and Industrial Research (CSIR)
Govt. of India, New Delhi

Hon'ble Chancellor of Veer Bahadur Singh Purvanchal University and the Governor of Uttar Pradesh, Ram Naikji, Vice Chancellor of the University Professor Raja Ram Yadav ji, Members of the Executive Council, Faculty Members, Graduating Students of the Day, Ladies and Gentlemen.

I consider it a privilege and honor to deliver the convocation address at the twenty first convocation of Veer Bahadur Singh Purvanchal University. I thank Professor Raja Ram Yadav and other authorities of the university for their kind invitation to me to be the Chief Guest. I feel honored to deliver this address in the presence of the Hon'ble Chancellor who has contributed immensely to our country through his services.

I congratulate the Graduates of the Year for their success achieved through hard work and determination. My special congratulations to those students who have won gold medals.

Graduates of the Year

Some of you would have already taken a job, and be ready to face the competitive world. The guidance that you got from your teachers and well wishers would have prepared you to face the future. You are lucky that you are starting your career at a time when our country is emerging as a commercial and economic world power. You have all the opportunities to rise to your full potential.

Students

We are entering the Fourth Industrial Revolution. This is going to change the way we live, work and interact with each other. This is going to impact industries, businesses and organizations. The First Industrial Revolution was based on steam power. The Second Industrial Revolution used electric power. The Third Industrial Revolution was based on transistor and information technology. The Fourth Industrial Revolution is happening because of emerging technologies like artificial intelligence (AI), data analytics,nanotechnology, robotics, biotechnology, and materialsscience.

The Fourth Industrial Revolution will transform the landscape of employment. The World Economic Forum estimates that 65% of children entering primary schools will end up working in a new kind of jobs that do not yet exist. Artificial Intelligence (AI) is emerging as an important technology and is already being used in a number of enterprises, and industries.

Artificial Intelligence

In our evolution from cave dwellers to modern day humans, technology has played an important role. In recent times technology and innovation are regarded as drivers of economic growth and national security. Alan Turig in 1950 invented the idea of machine intelligence by proposing that machine could trick us into thinking that machine was behaving like a human. Artificial intelligence (AI) is the intelligence exhibited by such machines/ computer systems. Intelligence is the capacity to learn, reason, analyze, understand, take actions and solve problems. Artificial intelligence relies heavily on machine learning and uses tools like neural networks. AI applications include understanding speech, translation from one language to another, visual perception like recognizing objects, diagnosing diseases, playing games like chess and GO and taking decisions. It has been used to diagnose skin cancer with a level of confidence equaling that of a qualified dermatologist. The driverless cars are already developed and are being tried on roads. Driverless vehicles are going to be much safer on the roads. Globally about 2.5 million people are killed annually in car accidents most of which occur due to human errors. The driverless vehicles are all connected through computer systems and there is negligible chance of their communicating in a wrong manner and colliding. The driverless vehicles will obviously follow all the traffic rules faithfully. In military the new technologies emanating from AI are being adopted in advanced countries in the form of drones, robots and smart bombs.

Commercial enterprises and governments are adopting AI to find patterns in Big Data which is a vast collection of data from traditional and digital sources. A machine trained using the Big Data can then be used to find some patterns, trends or attributes in new data to help decision making. Big Data Analysis has led to faster and better decision making, new products for services at a lesser cost. Companies like Google, Microsoft, Apple, Amazon, Facebook and IBM are investing heavily in R&D in AI.

Dubai is planning to have robot cops and driverless vehicles on roads in near future. By 2020 Dubai wants all visa applications, bill payments, license renewals, which amounts to about 10 crore documents a year, to be handled digitally using blockchain technology. The blockchain is an incorruptible digital record of economic or other transactions which can be programmed. Dubai government has appointed a Minister-in-charge of Artificial Intelligence. The objective is to make all government operations totally digital, paperless and transparent. This will also eliminate the middlemen. By securing the data the blockchain technology also reduces the chances of fraud. Buying, selling and leasing of real estate, banking, mortgages, maintenance operations and utilities will all be handled through the blockchain technology. All these are steps to achieve the emirate's goal of making Dubai a global business hub.

In our country Hon'ble Prime Minister Shri Narenra Modi has made Digital India as a mainstay of its policies. The vision of this mission is to empower every citizen with access to digital services and information. The Digital India mission consists of three core components. These are:

1. Development of secure and stable digital infrastructure,
2. Delivering government services digitally, and
3. Universal digital literacy .

To promote universal digital literacy, the Government of India through the Ministry of Electronics and IT has launched the Pradhan MantriGramin Digital SaksharataAbhiyan (PMGDisha) , which is world's largest digital literacy program. Purvanchal University should deliberate how it can actively participate in PMGDisha. This university has the inherent advantage of a widespread rural reach through it large student population hailing from rural areas.

Future of Jobs

It is appropriate that I share with you some thoughts on how the emerging technologies are going to transform the landscape of jobs in future. No one can predict the future with confidence, but one can attempt some forecasts. The emerging technologies should lead to a cascade of technology upheavals, and this would lead to change in the nature of jobs in industries, businesses and the government. Our universities which train students for serving the society should contemplate how emerging technologies, automation and innovation are going to affect the nature of jobs. As we have indicated earlier the jobs in transportation, logistics and administrative support systems are at high risk of getting automated. Jobs like taxi drivers, secretaries and clerks may be at risk. In a hospital AI may affect doctors more than nurses. We may probably have an AI doctor providing a diagnosis, but we would still need a nurse to replace a bandage and give us other medical support services.

What I want to drive home is that our universities have to be alive to these major changes. The universities may otherwise produce lot of graduates who are not able to find jobs, whereas there may be positions available for which trained people are not available. Another aspect which needs attention is that our universities should equip our students with an attitude which encourages lifelong learning. Our classroom teaching should encourage debate and discussion, and teachers should promote questioning attitude of students. A person with a creative and open mind should be able to face changes looming large in future.

Students

There are opportunities open to you in future. Those of you who are able to negotiate your path of progress through changes would successfully contribute to the growth and development of the nation. Purvanchal University would feel proud of your achievements. But remember there is no real achievement without integrity, honesty and hard work. I wish you all well and pray for your progress.

Thank you

Hon'ble Mr. Justice Dilip Babasaheb Bhosale

Chief Justice of Allahabad High Court

Awarded *Honoris Causa*, Doctor of Law (D. Laws)

Chief Justice of Allahabad High Court Honorable Mr. Justice Dilip Babasaheb Bhosale was born on 24th October 1956. He obtained his degree in law from Government Law College Mumbai and joined the bar in June 1980. Initially he has practiced in Bombay High Court and wasAssistant Governor Pleader and Assistant Prosecutor in the High Court at Mumbai during 1986 to 1991. He was appointed on the panel of Senior Counsel in the Bombay High Court by the Government of India in 1996. He was further appointed as a Special Counsel in the High Court by the Government of Maharashtra in 1998. He has represented the Government of India and the Government of Maharashtra as Special Counsel in several important cases during his practicing days. He has also represented various institutions viz. Maharastra State Finanace Corporation, Maharastra State Farming Corporation, Maharastra State Finance Corporation, Maharastra State Marketing Federation, Maharastra State Cotton Grower Fedration etc. in the Bombay High Court. He has been the Standing Counsel for number of Educational Institutions, Sugar Factories, District Central Cooperative Banks, Muncipal Councils, various Cooperative Socities and Trusts. He enjoyed three consecutive terms of 5 years each as an elected member of the Bar Council of Maharashtra and Goa since 1985 till his elevation as High Court Judge. During this particular period he was elected as Vice Chairman and Chairman respectively on the State Bar Council. He has been a member of the General Council, National Law School Bangalore since 1998 for about 12 years. He has been the Trustee of one of the oldest library in the Bombay High Court viz.'Kirtikar Law library'between 1992 to 2001. He has been an elected member of the Governing Council from judges Constituency of Indian law Institute, New Delhi since 2006. He had the honour to be a member for representing Lawyers in India in the Common-Wealth LawyersConference held at Kaulalampur, Malaysia.he was also entrusted with the responsibility of attending the Bar Leaders Conference organised by the International Bar Association in 2000. He comes from a family of freedom fighters his parents and maternal grandparents were freedom fighters.His father BaristerBabasahebBhosale was Chief Minister of the State of Maharastra. He was elevated as a judge of Bombay High Court on January 22, 2012. Further, he was transferred to Karnataka High Court on January 6, 2012 and then toHigh Court of Judicature at Hyderabad wide notification dated December 1 2014.He has assumed the charge as a senior most Judge on December 8, 2014. Moreover, he was nominated as the Executive Chairman of the Andhra Pradesh State Legal Service Authority, Hyderabad in 2015. He was appointed to perform the duties of the office of the Chief Justice of High Court of Judicature at Hyderabad, Andhra Pradesh w.e.f. May 07, 2015. He took oath as a Chief Justice of High Court of judicature at Allahabad on July 30 2006 and then onwards Allahabad High Court is acting under his visionary and legal leadership.

Mr. Ashish Gautam

President, Divya Prem Sewa Mission Sewa Kunj, Chandighat, Haridwar

Awarded *Honoris Causa*, Doctor of Literature (D. Litt.)

Mr Ashish Gautam has done his Masters and law degree from University of Allahabad, Allahabad. After completing his education in year 1995 he became a Sangha Pracharak and left for Gangotri to pursue his study of truth. In this period he wrote a book based on Swami Vivekananda called 'Aaradhya'. He is the president of Divya Prem Sewa Mission, Seva Kunj, Haridwar. Divya Prem Sewa Mission is working on a large scale in service of humanity, environment, education, health etc. The trust was registered on January 12, 1997 as the Prem Sewa Mission Nyas. It is a nonprofit government organisation to serve lepers and their children. Mr Ashish Gautam has been executive member of CAPART, Government of India. It is an autonomous body registered under the societies Registration Act 1860 and is functioning under the aegis of Ministry of Rural Development, Government of India. This agency is a major promoter of rural development in India and assisting over 12000 voluntary organisations across the country in implementing a wide range of development initiatives. He has been the member of selection committee of Rashtriya Mahatma Gandhi Samman, Government of Madhya Pradesh. He has been National Executive Member of Ganga Samgra. He has been a member of selection committee of Maharaja Agrasen Rashi Samman Government of Madhya Pradesh. A lot of achievements and others are credited to Mr Ashish Gautam. He is a recipient of Dr Yashwant Rao Kelkar Yuva Puraskar in 2003. He has also received Swami Vivekananda Rajkiya Samman in year 2006. He is the recipient of prestigious Mahatma Gandhi Award honoured by Madhya Pradesh Government in 2006 and 2007. He has also received Sewa Samman by ABV Indian Institute of Information Technology and Management Gwalior in 2009. He has received Vivekananda Seva Samman in 2010 at Kolkata. He is recipient of Bhau Rao Seva Samman during 2009 and 2010 and received Samaj Ratan Samman 2010 by Vishwa Mitra Parivar. He is also the recipient of Vikas Prerak Prashasti Kalburgi Kampu 2011 by Bharat Vikas Sangam. He was honoured with Vande Mataram Rastriya Alankaran Samman, Gwalior in year 2011. He has received Swami Ram Manavta Puraskar in 2011. The series of his awards and recognitions were extended to Bihari Asmita Samman in 2012, Jan Jagran Yatra from Gangasagar to Gangotri, Karamvir Puraskar during 2013-14,BaalPrernaSamman in 2014 by Vidya Bharti Ghaziabad. Yuva Prerna Samman, 2014 by Dr Mohan Rao Bhagwat in Agra. Jyoti Sewa Samman, 2015 by Jyoti Sewa Nyas, Ghaziabab, Rastriya Nirman Samman, 2015 by Rastra Nirman Sansthan, New Delhi Mati Ratan Puraskar 2015 Shahid Shodh Sansthan, Faizabad, Seva Puraskar 2015 are some of the examples of his exemplary work. He has been taking proactive part in protection of environment and has done phenomenal work in this direction too. Up to now, he has planted more than 31000 trees since 2010 and has set a target of 100000 by 2021. Saraswati Samman, 2016 by Saraswati Sangeet Academy Uttar Pradesh, Lucknow, Seva Samman 2016 by Government of Jharkhand, Excellence award for outstanding work by Allahabad University 2017 are his recent awards which shows his immense contribution in society.

कार्यपरिषद् के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो. डॉ. राजाराम यादव, कुलपति।	अध्यक्ष
2.	श्री सूर्य प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, विधि, टी.डी. पी.जी. कालेज, जौनपुर।	सदस्य
3.	डॉ. वन्दना राय, संकायाध्यक्ष, विज्ञान, वी.ब.सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
4.	डॉ. विलास ए. तभाने, एमेरिटस प्रोफेसर भौतिक विज्ञान, पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।	सदस्य
5.	डॉ. रामनारायण, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, वी.ब.सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय,जौनपुर।	सदस्य
6.	प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह, रसायन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।	सदस्य
7.	प्रो. शैलेन्द्र कुमार गुप्त, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।	सदस्य
8.	डॉ. सबिता भारद्वाज, प्राचार्य राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर।	सदस्य
9.	डॉ. आर.आर. यादव, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, अम्बारी, आजमगढ़।	सदस्य
10.	डॉ. अजय मिश्रा, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, अहरौला, आजमगढ़।	सदस्य
11.	डॉ. मृणालिनी सिंह, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर।	सदस्य
12.	डॉ. बद्रीनाथ, इतिहास विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
13.	डॉ. बालेन्दु कुमार सिंह, वनस्पति विज्ञान विभाग, रा.ह.सिं. पी.जी. कालेज, सिंगरामऊ, जौनपुर।	सदस्य
14.	डॉ. मु. गयास असद खॉ, राजनीतिशास्त्र विभाग, शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
15.	डॉ. ओम प्रकाश सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, मलिकपुरा पी.जी. कालेज, मलिकपुरा, गाजीपुर।	सदस्य
16.	श्री संजीव सिंह, कुलसचिव	सचिव
17.	श्री एम.के. सिंह, वित्त अधिकारी	विशेष आमंत्रित

विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1.	प्रो. डॉ. राजाराम यादव, कुलपति	अध्यक्ष
2.	डॉ. विनय कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, पी.जी. कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
3.	श्री उमाशंकर सिंह, संकायाध्यक्ष, कला संकाय, गाँधी शताब्दी महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़।	सदस्य
4.	डॉ. एम. एस. अन्सारी, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय, शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
5.	डॉ. दुर्गावती उपाध्याय, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, श्री दुर्गाजी पी.जी. कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़।	सदस्य
6.	श्री सूर्य प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर।	सदस्य
7.	डॉ. वन्दना राय, बायोटेक्नालॉजी विभाग, संकायाध्यक्ष विज्ञान, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्याल,जौनपुर।	सदस्य
8.	डॉ. अजय प्रताप सिंह, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त समाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय जौनपुर।	सदस्य
9.	डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग और टेक्नालॉजी संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
10.	डॉ. वी. डी. शर्मा, संकायाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
11.	डॉ. अजय द्विवेदी, वित्तीय अध्ययन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
12.	डॉ. मानस पाण्डेय, व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय,जौनपुर।	सदस्य
13.	श्री रविप्रकाश, इलेक्ट्रानिक्स इंजी० विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर।	सदस्य
14.	डॉ. कृष्णदेव चौबे, हिन्दी विभाग, कुटीर पी.जी. कालेज,चक्के, जौनपुर।	सदस्य
15.	डॉ. मो. गयास असद खॉ, राजनीति विज्ञान विभाग, शिबली नेशनल पी.जी. कालेज, आजमगढ़।	सदस्य
16.	डॉ. दुर्गा प्रसाद अस्थाना, भूगोल विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कालेज, आजमगढ।	सदस्य
17.	डॉ. रणविजय सिंह, संस्कृत विभाग, हंडिया पी.जी. कालेज, हंडिया, इलाहाबाद।	सदस्य
18.	डॉ. अशोक कुमार सिंह ,समाजशास्त्र विभाग, गाँधी शताब्दी स्मारक महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़।	सदस्य
19.	डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग, बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर।	सदस्य
20.	डॉ. नागेश्वर सिंह, मनोविज्ञान विभाग, सहकारी पी.जी. कालेज, मिहरॉवा, जौनपुर।	सदस्य
21.	डॉ. उबैदा बेगम, उर्दू विभाग, सहजानन्द पी.जी. कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
22.	डॉ. बद्रीनाथ, इतिहास विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कालेज आजमगढ़।	सदस्य
23.	डॉ. विजय बहादुर सिंह, शिक्षाशास्त्र विभाग, हंडिया पी.जी. कालेज, हंडिया, इलाहाबाद।	सदस्य
24.	डॉ. अनिल कुमार सिंह अंग्रेजी विभाग, हंडिया पी.जी. कालेज, हंडिया, इलाहाबाद।	सदस्य
25.	डॉ. शशिकान्त राय, दर्शनशास्त्र विभाग, स्वामी सहजानन्द पी.जी. कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
26.	डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, अर्थशास्त्र विभाग, पी.जी. कालेज, गाजीपुर।	सदस्य
27.	डॉ. ओमप्रकाश सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, मलिकपुरा डिग्री कालेज, मलिकपुरा, गाजीपुर।	सदस्य
28.	डॉ. दीप्ति सिंह, संगीत विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर।	सदस्य
29.	डॉ. जितेन्द्र प्रसाद सिंह, रसायन विभाग, एस.जी.आर.पी.जी. कालेज, डोभी, जौनपुर।	सदस्य
30.	डॉ. जगदीश प्रसाद सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय पी.जी. कालेज, जमुहाई, जौनपुर।	सदस्य
31.	डॉ. हरिशंकर सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर।	सदस्य
32.	डॉ. मसूद अख्तर, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिबली नेशनल पी.जी. कालेज, आजमगढ।	सदस्य
33.	डॉ. सत्यप्रकाश सिंह, गणित विभाग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर।	सदस्य

34. डॉ. मोहिद्दीन आजाद इलाही, अरबी विभाग, शिबली नेशनल पी.जी. कालेज, आजमगढ़। सदस्य
35. डॉ. रेखा शुक्ला, शिक्षा संकाय विभाग, हंडिया पी.जी. कालेज, हंडिया, इलाहाबाद। सदस्य
36. श्री नुसरत अल्ताफ, विधि विभाग, शिबली नेशनल पी.जी. कालेज आजमगढ़ । सदस्य
37. श्री बाल गोविन्द सिंह, वाणिज्य विभाग, मलिकपुरा महाविद्यालय, मलिकपुरा, गाजीपुर । सदस्य
38. डॉ. ओम प्रकाश सिंह, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर । सदस्य
39. डॉ. आलोक कुमार सिंह, कृषि वनस्पति विभाग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर । सदस्य
40. डॉ. एन.के. मिश्रा, कृषि प्रसार विभाग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर । सदस्य
41. डॉ. दिग्विजय सिंह, पशुपालन एवं दुग्ध उद्योग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर। सदस्य
42. डॉ. अवधेश कुमार सिंह, कृषि रसायन विभाग, पी.जी. कालेज, गाजीपुर। सदस्य
43. श्री इन्द्रजीत, कृषि कीट विज्ञान, श्री दुर्गाजी पी.जी. कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
44. डॉ. रमेश सिंह, पादप रोग विभाग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर । सदस्य
45. डॉ. फूलचन्द सिंह, शस्य विज्ञान विभाग, श्री दुर्गाजी पी.जी. कालेज चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
46. श्री पदमेन्द्र प्रभाकर सिंह, कृषि अभियन्त्रण विभाग, टी.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर। सदस्य
47. डॉ. अजय गोस्वामी, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर। सदस्य
48. डॉ. अविनाश पाथर्डिकर, एच.आर.डी. विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर । सदस्य
49. डॉ. मुराद अली, व्यवसाय प्रबन्ध विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर । सदस्य
50. डॉ. सन्तोष कुमार, भौतिकी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर । सदस्य
51. डॉ. राजकुमार, गणित विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर । सदस्य
52. डॉ. रसिकेश, एच.आर.डी. विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर । सदस्य
53. डॉ. शिवशंकर सिंह, भूगोल विभाग, डी.सी.एस.के.पी.जी. कालेज, मऊ । सदस्य
54. डॉ. बालेन्दु कुमार सिंह, वनस्पति विभाग, राजा हरपाल सिंह पी. जी. कालेज, सिगरामऊ, जौनपुर। सदस्य
55. डॉ. सुरेश सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, मर्यादा पुरूषोत्तम महाविद्यालय, रतनपुरा, मऊ। सदस्य
56. डॉ. अनिल कुमार सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, गणेश राय पी.जी. कालेज, डोभी, जौनपुर। सदस्य
57. डॉ. राजदेव यादव, शिक्षा शास्त्र विभाग, समता पी.जी. कालेज, सादात, गाजीपुर। सदस्य
58. डॉ. जे.पी.एन. सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग, राजा हरपाल सिंह पी.जी. कालेज, सिगरामऊ जौनपुर। सदस्य
59. प्रो. बी.बी. तिवारी, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यायल, जौनपुर । सदस्य
60. प्रो. बालकृष्ण अग्रवाल, भौतिक विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद । सदस्य
61. प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद। सदस्य
62. प्रो. अविनाश पाण्डेय, पूर्व कुलपति, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी । सदस्य
63. प्रो. वी.पी. सिंह, पूर्व डीन, 22 वैशाली प्रीतमपुरा, दिल्ली–110034 । सदस्य
64. प्रो. रामअचल सिंह, पूर्व कुलपति, 22 बी, बेतियाहाता, हरिहर प्रसाद दूबे मार्ग, गोरखपुर । सदस्य
65. डॉ. सुरजीत यादव, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यायल, जौनपुर । सदस्य
66. डॉ. राजेश शर्मा, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यायल, जौनपुर । सदस्य
67. डॉ. रामनरायण, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यायल, जौनपुर । सदस्य
68. श्री रजनीश भास्कर, इलेक्ट्रिकल अभियंत्रिकी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यायल,जौनपुर। सदस्य

2017

प्रथम प्रयास में स्नातक कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले संस्थागत विद्यार्थियों की सूची

1. 213218

जया सचान
पिता : हरि ओम सचान
उ.ना. सिं. इं. ऑफ इं. एण्ड टे. वी.ब.सिं.पू. वि.वि. जौनपुर
बी.टेक. (कम्प्यूटर सांइस एण्ड इन्जीनियरिंग)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 3890 / 5000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 77.80

2. 213006

अनन्त कुमार सिंह
पिता : चन्द्रमा सिंह
उ.ना. सिं. इं. ऑफ इं. एण्ड टे. वी.ब.सिं. पू.वि.वि. जौनपुर
बी.टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इन्जीनियरिंग)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 4033 / 5000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 80.66

5. 213437

आकांक्षा यादव
पिता : प्रसिद्ध नारायन यादव
उ.ना. सिं. इं. ऑफ इं. एण्ड टे. वी.ब.सिं.पू. वि.वि. जौनपुर
बी.टेक. (मैकेनिकल इन्जीनियरिंग)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 4023 / 5000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 80.46

3. 213318

मुकेश कुमार तिवारी
पिता : एस.एस. तिवारी
उ.ना. सिं. इं. ऑफ इं. एण्ड टे. वी.ब.सिं.पू. वि.वि. जौनपुर
बी.टेक. (इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 3553 / 5000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 71.06

6. 213104

राहुल कुमार यादव
पिता : अशोक कुमार
उ.ना. सिं. इं. ऑफ इं. एण्ड टे. वी.ब.सिं.पू. वि.वि. जौनपुर
बी.टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन इन्जीनियरिंग)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 3791 / 5000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 75.82

4. 213525

अंजली राय
पिता : रामभुवन राय
उ.ना. सिं. इं. ऑफ इं. एण्ड टे. वी.ब.सिं.पू. वि.वि. जौनपुर
बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल इन्जीनियरिंग)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 3991 / 5000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 79.82

7. 995028

प्रेम शंकर त्यागी
पिता : जय नारायण त्यागी
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
बी.फार्मा
प्राप्तांक / पूर्णांक : 3511 / 4600
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 76.32

8. 15128030036

अन्शु मित्रा
पिता : राम पूजन
टेक्निकल एजूकेशन एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पी.जी. कालेज, गाजीपुर
बी.सी.ए.
प्राप्तांक / पूर्णांक : 2975 / 3600
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 82.63

9. 15128020013

उज्मा परवीन
पिता : शकील अहमद
टेक्निकल एजूकेशन एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पी.जी. कालेज, गाजीपुर
बी.बी.ए.
प्राप्तांक / पूर्णांक : 2775 / 3600
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 77.08

10. 16633311430

सोनम यादव
पिता : रमा शंकर
गुलाबी देवी महाविद्यालय, सिद्दीकपुर, जौनपुर
कला
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1533 / 1800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 85.16

11. 16417383244

कु. हेमा कुशवाहा
पिता : ओम प्रकाश मौर्या
श्री रमाशंकर बाल गोपाल महाविद्यालय, नसीरपुर मऊपारा, गाजीपुर
विज्ञान
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1369 / 1800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 76.05

12. 16621359836

प्रिया त्रिपाठी
पिता : सुनील कुमार त्रिपाठी
डॉ0 अख्तर हसन रिजवी शिया डिग्री कालेज, जौनपुर
वाणिज्य
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1440 / 2000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 72.00

13. 16601418979

अंकिता सिन्हा
पिता : अमित कुमार सिन्हा
तिलकधारी सिंह महाविद्यालय, जौनपुर
कृषि
प्राप्तांक / पूर्णांक : 2268 / 2800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 81.00

14. 16413369429

अमृतांश कुमार दूबे
पिता : अशोक दूबे
पी.जी. कालेज, गाजीपुर
बी.एस.सी. इन बी.पी.ई.
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1023 / 1600
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 63.93

15. 15127010086

सौरभ मणि
पिता : राज मणि प्रसाद
जगरूप यादव स्मारक विधि महाविद्यालय, इंदारा, मऊ
एल.एल.बी.
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1870 / 3000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 62.33

16. 15246001044

उत्कर्ष सिंह
पिता : अशोक कुमार सिंह
सल्तनत बहादुर महाविद्यालय, बदलापुर, जौनपुर
बी.एड.
प्राप्तांक / पूर्णांक : 983 / 1200 TH., 380 / 400 PR., 1363 / 1600 Total
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 81.91, 95.00, 85.18

17. 16630114

गौरव कुमार सिंह
पिता : जितेन्द्र कुमार सिंह
किसान महाविद्यालय, बघांव, गाजीपुर
बी.पी.एड. (2014–15)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 588 / 600
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 98.00

2017

प्रथम प्रयास में स्नातकोत्तर कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले संस्थागत विद्यार्थियों की सूची

1. 2014613

दीक्षा सिंह परमार
पिता : प्रभाकर सिंह
उमानाथ सिंह इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजी. एण्ड टेक्नोलाजी वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.सी.ए.
प्राप्तांक / पूर्णांक : 4692 / 6000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.20

2. 154214

साक्षी श्रीवास्तव
पिता : अरूण कुमार श्रीवास्तव
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.एस.सी. (पर्यावरण विज्ञान)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 951 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 79.25

3. 151217

सोनम यादव
पिता : चन्द्रभान यादव
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.एस.सी. (बायोटेक्नालॉजी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 907 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 75.58

4. 153213

सिद्धी सिंह
पिता : धनन्जय कुमार सिंह
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.एस.सी (बायोकेमेस्ट्री)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 971 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 80.91

5. 152208

निधि राय
पिता : नरेन्द्र कुमार राय
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.एस.सी. (माइक्रोबायोलॉजी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 922 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 76.83

6. 152301

अवनीश विश्वकर्मा
पिता : राम प्रसाद विश्वकर्मा
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.ए. (अप्लाइड साइकोलॉजी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1563 / 2000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.15

7. 152140

स्नेहा मौर्या
पिता : हंसराज मौर्या
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.बी.ए.
प्राप्तांक / पूर्णांक : 2096 / 2800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 74.85

8. 153112

विभान्शु सिंह
पिता : कमलेश कुमार सिंह
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.बी.ए. (एग्री–बिजनेस)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1998 / 2800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 71.35

9. 151113

शाम्भवी सिंह
पिता : राज नारायण सिंह
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.बी.ए. (बिजनेस इकोनॉमिक्स)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 2091 / 2800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 74.67

14. 16201477784

आकांक्षा पाण्डेय
पिता : ज्ञानेन्द्र पाण्डेय
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
कला संकाय (गणित)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 946 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.83

10. 155116

शिखा दूबे
पिता : डॉ. बी.एन. दूबे
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.बी.ए. (फाइनेन्स एण्ड कन्ट्रोल)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 2190 / 2800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.21

15. 16201482110

शाबिस्ता नाज़
पिता : फरीद अहमद
शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ़
विज्ञान संकाय (प्राणी विज्ञान)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 885 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 73.75

11. 156116

शिवानी राय
पिता : राजीव राय
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.बी.ए. (एच.आर.डी.)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 2086 / 2800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 74.50

16. 16601481987

आकांक्षा अग्रवाल
पिता : आत्मा राम अग्रवाल
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
विज्ञान संकाय (भौतिकी विज्ञान)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 842 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 70.16

12. 151310

शायाली मौर्या
पिता : लाल चन्द्र मौर्या
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर (कैम्पस)
एम.ए. (मास कम्युनिकेशन)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 1405 / 2000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 70.25

17. 16620481750

मनीष कुमार सिंह
पिता : सुशील कुमार सिंह
मोहम्मद हसन डिग्री कालेज, जौनपुर
विज्ञान संकाय (रसायन विज्ञान)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 897 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 74.75

13. 16247476289

शिखा सिंह
पिता : कृष्णकांत सिंह
कुमुद सिंह महाविद्यालय, मसुरियापार, नैनीजोर, आजमगढ़
वाणिज्य संकाय
प्राप्तांक / पूर्णांक : 928 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 77.33

18. 16444481110

स्तुति कुशवाहा
पिता / पति : कमल किशोर मौर्या
श्री शिव महाविद्यालय फरिदहां, खानपुर, गाजीपुर
विज्ञान संकाय (वनस्पति विज्ञान)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 944 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.66

19. 16403421486

मधु सिंह
पिता : अच्युतानन्द सिंह
स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
कला संकाय (सैन्य विज्ञान)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 718 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 71.80

रु

20. 16601479260

मिथिलेश कुमार पाण्डेय
पिता : अटल बिहारी पाण्डेय
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
कृषि संकाय (प्लांट पैथोलॉजी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 691 / 800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 86.37

21. 16413479246

अनीश कुमार सिंह
पिता : राम अधार सिंह
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
कृषि संकाय (हार्टिकल्चर)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 731 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 73.10

22. 17601220146

अंजली गोल्डी
पिता : अरून कुमार
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
कृषि संकाय (जेनेटिक्स एण्ड प्लांट ब्रीडिंग)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 674 / 800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 84.25

23. 16601479120

धनन्जय तिवारी
पिता : रणविजय तिवारी
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
कृषि संकाय (एग्रोनॉमी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 674 / 800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 84.25

24. 16601479081

चन्द्र प्रकाश सिंह
पिता : विरेन्द्र प्रताप सिंह
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
कृषि संकाय (एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 787 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.70

25. 16604479296

ओमकार कुमार
पिता : सुरेन्द्र प्रसाद सिंह
श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोभी, जौनपुर
कृषि संकाय (एग्रीकल्चर केमेस्ट्री एण्ड स्वायल साइंस)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 568 / 800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 71.00

26. 16601479091

अजय कुमार पटेल
पिता : फौजदार पटेल
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
कृषि संकाय (इन्टोमोलॉजी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 565 / 800
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 70.62

27. 16207452715

शालिनी पाण्डेय
पिता : पद्मकांत पाण्डेय
श्री शिवा डिग्री कालेज तेरही कप्तानगंज, आजमगढ़
कला संकाय (प्राचीन इतिहास)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 764 / 1100
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 66.45

28. 16101461163

नील कमल
पिता : अनिल कुमार सिंह
हण्डिया पी.जी. कालेज, हण्डिया, इलाहाबाद
कला संकाय
(राजनीति शास्त्र)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 685 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 68.50

29. 16101445753

अभिषेक यादव
पिता : रामाशंकर यादव
हण्डिया पी.जी. कालेज, हण्डिया, इलाहाबाद
कला संकाय (हिन्दी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 783 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.30

30. 16609454581

शुभम सिंह
पिता : रजनीश सिंह
सहकारी पी.जी. कालेज, मिहरावां, जौनपुर
कला संकाय (अर्थशास्त्र)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 721 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 72.10

31. 16611457357

शिवानी सिंह
पिता : जितेन्द्र सिंह
सल्तनत बहादुर महाविद्यालय, बदलापुर, जौनपुर
कला संकाय (अंग्रेजी)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 649 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 64.90

32. 16232463530

रिंकी सिंह
पिता : रामसिंगार सिंह
बाबा नैपाल स्मारक महाविद्यालय, ब्रम्हपुर लाटघाट, आजमगढ़
कला संकाय (संस्कृत)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 756 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 75.60

33. 16857456047

पुष्पा चौहान
पिता : राम सनेही चौहान
पं0 चंद्रिका स्मारक पूर्वांचल महाविद्यालय, सुरहूपुर, मोहम्मदाबाद, गोहना, मऊ
कला संकाय (शिक्षाशास्त्र)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 701 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 70.10

34. 16604421575

निधि पाठक
पिता : प्रमोद पाठक
श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोभी, जौनपुर
कला संकाय (गृह विज्ञान) (फुड न्यूट्री.)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 947 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.91

35. 16442423135

अर्चना पाण्डेय
पिता : रणजीत पाण्डेय
श्री हरिशंकर महाविद्यालय जमुआरी, (बहलोलपुर) गाजीपुर
कला संकाय (गृह विज्ञान) (ह्यूमन डेव.)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 940 / 1200
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 78.33

36. 16801460972

दिलशाद अफरोज
पिता : अनवारूल हक़
डी.सी.एस.के. महाविद्यालय, मऊ
कला संकाय (म. कालीन और आधुनिक इतिहास)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 673 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 67.30

37. 16819473983

अन्दलीब जहरा
पिता : जमालुद्दीन
पब्लिक महिला शहर महाविद्यालय, बरामदपुर, मोहम्मदाबाद, गोहना, मऊ
कला संकाय (उर्दू)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 765 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 76.50

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
21वाँ दीक्षान्त समारोह

38. 16413463083

सबा खातून
पिता : मसीह खान
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर
कला संकाय (मनोविज्ञान)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 672 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 67.20

40. 16608459677

राहुल सिंह
पिता : शिव कुमार सिंह
राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय सिंगरामऊ, जौनपुर
कला संकाय (भूगोल)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 696 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 69.60

39. 16201461013

ओशिन खान
पिता : जमालुद्दीन खान
शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ़
कला संकाय (दर्शन शास्त्र)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 712 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 71.20

41. 16601469381

प्रिया सिंह
पिता : चन्द्रप्रकाश सिंह
तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर
कला संकाय (समाजशास्त्र)
प्राप्तांक / पूर्णांक : 710 / 1000
श्रेणी : प्रथम
प्रतिशत : 71.00

विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ

जनवरी, 2017 - जनवरी, 2018

जनवरी, 2017

1. 13 जनवरी को विद्या परिषद तथा 30 जनवरी को कार्य परिषद की बैठक का आयोजन किया गया।
2. 09जनवरी से 11जनवरी तक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वाधान में तीन दिवसीय ''वित्तीय साक्षरता अभियान'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पहले दिन निबंध और वाद–विवाद प्रतियोगिता तथा ''अर्थव्यवस्थाः चुनौतियाँ एवं संभावनाएं'' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें 100 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में दूसरे दिन आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में 41 प्रतिभागियों ने विमुद्रीकरण के उपरान्त उपजी सामाजिक कठिनाइयों को चित्रित किया तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं नकद रहित लेन–देन की सम्भावनाओं को रंगों एवं चित्रों के माध्यम से उकेरा। प्रतिभागियों के पोस्टर में डिजिटल पेमेण्ट, भीम ऐप, पेटिएम, कैशलेश भुगतान, आतंकवाद, भ्रष्टाचार पर अंकुश, साइबर चुनौतियाँ आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के तीसरे दिन समापन सत्र में ''नकद रहित अर्थ व्यवस्था व चुनौतियाँ एवं सम्भावनायें'' विषय पर कुलपति प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल ने विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को सम्बोधित किया। ओरियन्टल बैंक ऑफ कामर्स के ए.डी.सी. श्री अभिनव वर्मा, सी.एम.डी. श्री राजेश रंजन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वाद–विवाद प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।
3. स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती के अवसर पर 12 जनवरी को विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. वी. पी. सिंह, दिल्ली स्कूल आफ कामर्स विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द से जुड़ी पुस्तकों को छात्रों में वितरित किया गया।
4. 23 जनवरी को उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान स्थित विश्वेश्वरैया सभागार में ''समसामयिक शोध'' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रबंध अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. कुशेन्द्र मिश्र ने साहित्यिक चोरी से शोध में आ रही गिरावट पर प्रकाश डाला।
5. 24 जनवरी को ''परीक्षा संचालन एवं परिणाम– 2017'' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में परीक्षा संचालन तथा परीक्षा परिणाम से जुड़े पदाधिकारियों ने परीक्षा संचालन, परीक्षा कार्यक्रम, मूल्यांकन, परीक्षा केन्द्र निर्धारण तथा उड़ाका दल के गठन आदि विषयों पर अपने–अपने सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने किया।
6. <u>दीक्षांत पूर्व व्याख्यान का आयोजन</u>

 27 जनवरी, को विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में दीक्षांत पूर्व व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस व्याख्यान में फार्मेसी कालेज ऑफ फार्मेसी, वाराणसी के निदेशक प्रो. आर. पी. तिवारी ने ''भैषज्य विज्ञान में भविष्यगत सम्भावनाएं'' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

 28 जनवरी, को विश्वविद्यालय के प्रबन्ध अध्ययन संकाय में ''लोक तंत्र का प्रबन्ध'' विषयक व्याख्यानमाला में प्रो. आर.एन. त्रिपाठी, बी.एच.यू. वाराणसी ने अपना विचार व्यक्त किया।

 विश्वविद्यालय के सामाजिक अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय में ''नागरिक अधिकारिता एवं मीडिया'' विषयक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, मदन मोहन मालवीय हिन्दी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने व्याख्यानमाला को सम्बोधित किया।

 30जनवरी को विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में दीक्षांत पूर्व व्याख्यानमाला के अंतर्गत ''भारत में एड्सः समस्या एवं समाधान'' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय पर प्रकाश डालते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के जैव रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. बेचन शर्मा ने सम्बोधित किया।

 विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान स्थित विश्वेश्वरैया सभागार में दीक्षांत पूर्व व्याख्यानमाला के अन्तर्गत ''विकिरण के पर्यावरणीय प्रभावों एवं उपयोग'' विषय पर व्याख्यान में प्रो. वी.के. गर्ग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भटिंडा ने सम्बोधित किया।

 30 जनवरी को विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन बी.एच.यू., वाराणसी के लाइब्रेरी साइंस के विभागाध्यक्ष एवं मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. एच. एन. प्रसाद ने किया।

 इस पुस्तक प्रदर्शनी में कुल 29 बुक स्टाल लगाये गये थे जिसमें मैट्रो बुक्स प्रा0 लि0 नई दिल्ली, सीबी0एस0 पब्लिशर, रिशब बुक्स, आदि बुक्स, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, कानसोर्टियम बुक्स, वाइले इंडिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, एस. चांद पब्लिशिंग, साईटिफिक इण्टरनेशनल, पीयर्सन एजूकेशन, हिमालया पब्लिशिंग हाउस तथा ई– बुक्स के लिये इल्सबियर, टेलर एण्ड फ्रासिसं, सेज, पीयर्सन एवं स्प्रींगर ने अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय के सभी छात्र छात्राए एवं सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहे।
7. 31 जनवरी को विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार केन्द्र में पद्मश्री एवं पद्मभूषण प्रो. बी.एन. सुरेश विश्वविद्यालय के शिक्षकों से रूबरू हुए। उन्होंने आधुनिक सैटेलाइट तकनीकी पर विस्तार से अपनी बात रखी। कहा कि आज के समय में कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहाँ सैटेलाइट का प्रभाव न पड़ रहा हो। कृषि, वानिकी, प्राकृतिक संसाधन, सूचना तकनीकी, टेली मेडिसिन के क्षेत्र में सैटेलाइट के कारण क्रान्तिकारी बदलाव आए हैं। हमारे देश में सैटेलाइट के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है, नई तकनीकी और अभियांत्रिकी ने सैटेलाइट के निर्माण में हमें मजबूती दी है। भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित नाविक

सैटेलाइट की मदद से आत्म निर्भरता पाने की तरफ कदम बढ़ा दिया है।

8 विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 60362 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।

9. जनवरी, 2017 तक विश्वविद्यालय के 706 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

10 AISHE के अन्तर्गत सत्र 2015–2016 हेतु महाविद्यालयों का शत प्रतिशत (100%) पंजीकरण तथा फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

11 खेल गतिविधियॉ–

(1) **अन्तर महाविद्यालयीय कुश्ती पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता**– यह प्रतियोगिता 02जनवरी से 03जनवरी के बीच सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में 50 महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

(2) **अन्तर महाविद्यालयीय बाक्सिंग पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता** – यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्टेडियम में दिनांक 04 जनवरी, 2017 को सम्पन्न हुई। उक्त प्रतियोगिता में 20 महाविद्यालयों के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शन के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का चयन अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।

(3) **अन्तर महाविद्यालयीय वालीवॉल महिला प्रतियोगिता**–यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्टेडियम में दिनांक 05 जनवरी, 2017 को सम्पन्न हुई। प्रदर्शन के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का चयन पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।

(4) **अन्तर महाविद्यालयीय जिमनास्टिक पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता**–यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्टेडियम में दिनांक 6 जनवरी, 2017 को सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में 15 महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शन के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का चयन अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।

(5) **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय वालीवॉल महिला प्रतियोगिता**–यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्टेडियम में दिनांक 17 से 22 जनवरी, 2017 को सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में पूर्वी क्षेत्र की 21 विश्वविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को प्रथम, कलकत्ता विश्वविद्यालय को द्वितीय, पं. रवि शंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर को तृतीय एवं रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ। उक्त चारो विश्वविद्यालयों की टीमों ने अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त की है।

फरवरी 2017

1. विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षान्त समारोह 01 फरवरी, (बसन्त पंचमी) को आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्री रामनाईक जी ने किया। इस अवसर पर उपाधि धारकों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए सदैव प्रयासरत रहें। अपने लक्ष्य को कभी भी आंखों से ओझल न होने दें। उन्होंने कहा कि चिड़ियों का घोसला बनाने, अपने अण्डे को पालने एवं बच्चों को दाना चुगाने के बाद एक समय ऐसा भी आता है जब उनके पंखों में ताकत आती है और वे खुले आसमान में विचरण करते हैं। आप इससे सबक लें क्योंकि आज आपके पंखों में ताकत है एवं आप उड़ान के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय ऐसा विश्वविद्यालय है जहां 61 फीसदी छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं और स्वर्ण पदक के मामले में भी वह 63 फीसदी हैं। यह विश्वविद्यालय व प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने विश्वविद्यालय की इस बात के लिए भी प्रशंसा की कि यहां शिक्षा के साथ–साथ खेल का स्तर भी उत्कृष्ट है। स्वास्थ्य के साथ–साथ ज्ञान के समन्वयन का भी केन्द्र यह विश्वविद्यालय है। इसी के परिणामस्वरूप लगातार पिछले तीन वर्षों से इस विश्वविद्यालय के खिलाड़ी राजभवन में सम्मानित हो रहे हैं।

   समारोह के मुख्य अतिथि अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अकादमी, नई दिल्ली पदमश्री एवं पदम भूषण डॉ. बी.एन. सुरेश ने विद्यार्थियों से कहा कि आप अपने रूचि का भविष्य चुनें एवं इस समाज को सुन्दर बनाने का प्रयास करें। आज देश आपको ऐसे तमाम अवसर प्रदान करने की स्थिति में है जहां आप अपने–अपने क्षेत्र के विकास की दिशा में ले जाएं। ऐसे अवसर का काफी रोमांचक होने के साथ–साथ चुनौतीपूर्ण भी हैं।

   विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के इस अंचल में अवस्थित विश्वविद्यालय परिक्षेत्र की अनेक भौगोलिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक विशिष्टताएँ हैं। बौद्धिक विकास की यह प्रयोगशाला, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य एवं कर्त्तव्य के प्रति कटिबद्ध रहते हुए निरंतर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकाश स्तम्भ की भाँति मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।

   स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 59 विद्यार्थियों को मा. कुलाधिपति ने स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। इस अवसर पर 324 पी–एचडी. के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी।

2. 01 फरवरी, को उच्चीकृत एवं नवीनीकृत संगोष्ठी भवन का लोकार्पण पदमश्री एवं पदम भूषण डॉ0 बी0एन0 सुरेश, पूर्व निदेशक, इण्डियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन, बंगलोर एवं अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अकादमी, नई दिल्ली के कर–कमलों द्वारा हुआ।

3. 14 फरवरी को वित्त समिति की बैठक तथा 23फरवरी को परीक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

4. 15 फरवरी को विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें थायराइड, शुगर, एच.बी.ए.वन.सी., लिपिड प्रोफाइल, यूरिक एसिड, हीमाग्लोबीन इत्यादि की जांच की गयी। इस चिकित्सा शिविर में 117 लोगों ने अपनी निःशुल्क जांच कराई।

5. **'अन्वेषण–2017'**

   20 फरवरी को भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विद्यार्थी शोध सम्मेलन 'अन्वेषण 2017' में पूर्वी जोन के 8 प्रदेश के 49 शोधार्थियों ने शिरकत की है। अरूणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिजोरम, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, बिहार एवं उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय के स्नातक,

परास्नातक एवं पी–एचडी. के शोधार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट को प्रस्तुत किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, एमएमटीयू गोरखपुर, बीआईटी मेसरा, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय, बिरसा विश्वविद्यालय, मालदा विश्वविद्यालय, भागलपुर विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, राजीव गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय अरूणाचल प्रदेश, कालेज ऑफ वेटनरी साइंस एण्ड एनीमल हसबेन्डरी आईजॉल, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एण्ड पोस्ट हारवेस्ट टेक्नोलॉजी इंफाल, सिक्किम के विद्यार्थी भाग लिये। प्रतिभागियों ने फार्मेसी संस्थान में पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट को प्रस्तुत किया। इसमें इंजीनियरिंग के 07, विज्ञान के 21, कृषि के 08 एवं सामाजिक विज्ञान के 12, स्वास्थ विज्ञान के 01 विद्यार्थी रहे। 15 विद्यार्थियों का प्रोजेक्ट बाह्य विशेषज्ञों द्वारा चयनित कर राष्ट्रीय सम्मेलन में भेजा गया। बाह्य विशेषज्ञों में प्रो. के.के. शुक्ला, प्रो. विनय, प्रो. डी.के. श्रीवास्तव, प्रो. एन. श्रीवास्तव, प्रो. गोपेश्वर नारायण, प्रो. ए. के. कौल, डॉ. अखिल मिश्रा और डॉ एस. के. दूबे शामिल रहे।

उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद के निदेशक प्रो. राजीव त्रिपाठी ने कहा कि शोध से शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार आता है। शोध करने वालों में जुनून होना चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय शोध की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय में पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं एवं शोधार्थियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं की तरफ ध्यान दिया गया है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ के उप निदेशक डॉ. अमरेन्द्र ने कहा कि हम ज्ञान के युग में हैं। मानव विकास के लिए ज्ञान का सृजन, विस्तार एवं दोहन किया जाना चाहिए। आज इस सम्मेलन के माध्यम से युवा शोधार्थियों को शोध के क्षेत्र में नई सोच के साथ लाना है और उन्हें गुणवत्तायुक्त सुविधा उपलब्ध करवाना है। इस अवसर पर भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सहायक निदेशक उषा राज नेगी, समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागीगण, विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार केन्द्र में 21 फरवरी मंगलवार को भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे दो दिवसीय विद्यार्थी शोध सम्मेलन 'अन्वेषण–2017' का समापन हुआ। समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि तकनीकी के निरंतर विकास से आज पूरा विश्व हमारी हथेली पर आ गया है। इस विकास में शोध की बड़ी भूमिका रही है।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ की सहायक निदेशक डॉ. उषा रानी नेगी ने परिणामों की घोषणा की एवं डॉ. वन्दना राय ने रिपोर्ट प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। शोध सम्मेलन में बेहतरीन प्रस्तुति के लिए 11 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले शोध सम्मेलन के लिए हुआ। सम्मेलन के पहले दिन विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए 49 प्रोजेक्ट में से 35 प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन पर वाहय विशेषज्ञों द्वारा निर्णय लिया गया। सामाजिक विज्ञान एवं वाणिज्य के प्रोजेक्ट में राजीव गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय अरूणाचल प्रदेश के तनजीन चोएफेल ने प्रथम, याब निकुम ने द्वितीय और प्रबंध अध्ययन संस्थान, बीएचयू, वाराणसी के शार्दुल मिश्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृषि के प्रोजेक्ट में टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय की पूजा कुमारी ने प्रथम, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय असम के निपेन नयाल ने द्वितीय एवं गौरव गोगोई और पार्थजीत डोले ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के प्रोजेक्ट में बीआईटी मेसरा रांची के रोमित चौधरी एवं निखिल कुमार तूली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हेल्थ साइंस के प्रोजेक्ट में टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय की स्नेहा कुमारी एवं नाशीज फात्मा ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। बेसिक साइंस के प्रोजेक्ट में बीआईटी मेसरा, रांची की दीपशिखा घोष और मनीष चन्द्र सिंह ने प्रथम, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग की नेहस रेयाज ने द्वितीय एवं खुशबू कुमारी और आफताब आलम ने तृतीत पुरस्कार प्राप्त किया। इन प्रतिभागियों को समापन सत्र में मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह एवं पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल के द्वारा पुरस्कृत किया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में सांस्कृतिक संध्या ''स्पंदन'' का आयोजन 20 फरवरी सोमवार की शाम को किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरी। जहां एक तरफ बाल कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया वहीं विद्यार्थियों ने लोक नृत्य के द्वारा दर्शकों तक माटी की खुशबू पहुंचायी। नृत्य, गायन एवं मूक अभिनय की प्रस्तुतियां दर्शकों को भाव–विभोर करती रही।

6. 18 फरवरी को विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2017 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मतदान हमारा अधिकार नहीं कर्तव्य है। अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी जौनपुर श्री भानु चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि जो सपने अधूरे रह जाएं वह सपने, सपने नहीं होते। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक अतुल सक्सेना रहे।इसके पूर्व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता विषय पर आधारित रंगोली, पोस्टर, स्लोगन, कोलाज, मेंहदी, एकांकी और गायन से संबंधित प्रतियोगिताओं में भाग लिया एवं मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।
7. 13फरवरी को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में कैमरे की तकनीकी एवं व्यवहार विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में दिल्ली के वरिष्ठ स्वतंत्र कैमरामैन श्री ओम प्रकाश ने कहा कि एक कैमरामैन के लिए सबसे महत्वपूर्ण उसकी दृष्टि होती है। वास्तविक दुनिया में क्या घटित हो रहा है उसे वह कैमरे के माध्यम से लोगों के सामने प्रस्तुत करता है। उन्होंने फ्रेमिंग, लाइट, कम्पोजिशन, कैमरा मूवमेंट, फिल्टर आदि कैमरा की तकनीकों पर विस्तारपूर्वक बताया।
8. 16फरवरी को विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान के विश्वेश्वरैया सभागार में सॉफ्टप्रो इन्नोवेशन लखनऊ के प्रभारी श्री ऐश्वर्य दीक्षित द्वारा एम्बेडेड सिस्टम एवं रोबोटिक्स विषयक कार्यशाला में विद्यार्थियों को माइक्रो कण्ट्रोलर की सहायता से नये प्रोजेक्ट बनाये जाने पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हार्डवेयर एवं

सॉफ्टवेयर की उपर्युक्त इण्टरफेशिंग के माध्यम से नये एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाये जा सकते हैं जो प्रोसेस ऑटोमेशन एवं उद्योग संबंधी मशीनों की दक्षता बढ़ा सकते हैं। कार्यशाला में इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

9. विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में 27फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का शुभारम्भ हुआ। इस समारोह में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पहले दिन रंगोली, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पृथ्वी संरक्षण, सेटेलाइट, मार्डन हाउस, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इण्डिया, मार्स मिशन, ग्लोबल वार्मिंग जैसे विषय रंगोली और पोस्टर में विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किये गये।

   विश्वेश्वरैया सभागार में जेपी विश्वविद्यालय ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर घनश्याम सिंह ने नेक्स्ट जेनरेशन कम्यूनिकेशन सिस्टम पर व्याख्यान दिया। उन्होंने 4जी एवं 5जी संचार से प्रारम्भ करते हुए सॉफ्टवेयर आधारित रेडियो सिस्टम तथा उसके उन्नति स्वरूप के बारे में भी बताया। दूसरे सत्र में आईआईआईटी इलाहाबाद के प्रोफेसर उमाशंकर तिवारी ने दिव्यांगों हेतु सुविधा प्रदायी आईटी के योगदान पर बृहद चर्चा की। 'मूव डाटा नॉट बॉडी' के अहम आईटी नारे की चर्चा करते हुए टेलीमेडिसीन, संचार नेटवर्किंग इत्यादि के क्षेत्र में आईटी के योगदान को बताया।

10. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में 60362 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।

11. फरवरी, 2017 तक विश्वविद्यालय के 706 पी-एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

12. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2015-2016 हेतु महाविद्यालयों का शत प्रतिशत (100%) पंजीकरण तथा फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

खेल गतिविधियाँ-

13. **अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीय वालीबॉल महिला प्रतियोगिता**

   यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम में दिनांक 08 से 14 फरवरी, को सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में 15 विश्वविद्यालयों की टीम ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कालीकट विश्वविद्यालय, केरल को प्रथम, महात्मा गॉधी विश्वविद्यालय, कोटयाम, केरल को द्वितीय, कन्नूर विश्वविद्यालय, केरल तृतीय एवं कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ।

14. अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय भारोत्तोलन पुरूष एवं महिला एवं बेस्ट फिजीक पुरूष प्रतियोगिता 2016-17 से 07 फरवरी तक पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ में आयोजित हुई। उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम ने 1 स्वर्ण पदक, 2 रजत पदक सहित कुल 3 पदक प्राप्त किया।

15. अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीय तीरंदाजी पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता 2016-17 15 से 19 फरवरी तक कृष्णा विश्वविद्याल, आन्ध्र प्रदेश में आयोजित हुई। उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम ने 1 रजत पदक प्राप्त किया।

16. अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय कुश्ती पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता 2016-17 दिनांक 22 फरवरी से 27 फरवरी तक चौ0 देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा में आयोजित हुई। उक्त प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की टीम ने 1 रजत पदक एवं 2 कांस्य पदक सहित कुल 3 पदक प्राप्त किया।

मार्च, 2017

1. 10 मार्च को कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन किया गया।
2. वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की सत्र 2016-17 की मुख्य परीक्षायें 20 मार्च, 2017 से प्रारम्भ होकर 19 मई, 2017 तक दो पालियों में क्रमशः पूर्वान्ह 7.30 से 10.30 बजे तक तथा अपरान्ह् 2.00 से 5.00 बजे तक विश्वविद्यालय से सम्बद्ध पूर्वी उत्तर प्रदेश के 05 जनपदों क्रमशः जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर एवं इलाहाबाद के कुल 675 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई। परीक्षा में कुल 5.17 लाख परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। परीक्षाओं के सुचितापूर्वक सम्पादन हेतु जनपदवार उड़ाकादलों का गठन किया गया। नकल की रोकथाम के लिए चार जनपदों में कुल 29 उड़ाकादल गठित हुई जो सम्पन्न हो रही परीक्षाओं की दोनों पालियों में परीक्षा के सुचारू संचालन एवं पवित्रतापूर्वक सम्पादन हेतु अपनी सक्रिय भूमिका निभाई । इसके अतिरिक्त पर्यवेक्षण कार्यों हेतु जनपद में चार-चार वरिष्ठ प्राचार्यों/प्राध्यापकों की टीम का गठन किया गया है।यह टीम परीक्षा केन्द्रों की सम्पूर्ण व्यवस्था की निगरानी तथा उचित मार्गदर्शन का कार्य की। इसके अतिरिक्त जनपद स्तर पर विशेष उड़ाकादल का भी गठन किया गया। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के समस्त जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त जनपदों में बेहतर तालमेल के लिये **सम्पर्क एवं समन्वय अधिकारी** नामित किया गया।
3. 06 मार्च को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में ''इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विविध आयाम'' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर वक्ता इंडिया वॉइस चैनल के उत्तर प्रदेश प्रमुख एवं विभाग के पूर्व छात्र श्री बृजेश सिंह ने कहा आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का चरित्र काफी बदल गया है। मीडिया जगत में कार्य करने के लिए हमेशा नई-नई जानकारियों के साथ अपडेट रहना पड़ता है।

   21 मार्च को विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार केन्द्र में विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय एवं स्प्रिंगर नेचर के तत्वावधान में ''शोध पत्र लेखन'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुंबई के विषय विशेषज्ञ डॉ. रवि मुरूगेशन, स्प्रिंग नेचर के लाइसेंसिंग मैनेजर श्री कुंज वर्मा एवं मार्केटिंग मैनेजर श्री सुरभि धमींजा ने शोधार्थियों के समक्ष मौलिक शोध पत्र लेखन के विषय में प्रकाश डाला।
4. वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की सत्र 2016-17 की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का विश्वविद्यालय परिसर में मूल्यांकन प्रारम्भ हुआ।
5. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 62830 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।
6. मार्च, 2017 तक विश्वविद्यालय के 706 पी-एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

7. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 600 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 312 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया गया।

खेल गतिविधियाँ–

8. **अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय (All India) हाकी पुरूष प्रतियोगिता**

यह प्रतियोगिता नेहरू हाकी सोसाइटी के तत्वाधान में 01 से 10 मार्च तक शिवाजी स्टेडियम, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में पूरे भारत की 16 टीमों ने प्रतिभाग किया। वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की टीम ने इस प्रतियागगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

अप्रैल 2017

1. 03 अप्रैल को परीक्षा समिति की बैठक का आयोजन सम्पन्न हुई।
2. 05अप्रैल को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के 14 सदस्यीय दल ने लोकसभा एवं राज्यसभा, नई दिल्ली का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने लोकसभा तथा राज्यसभा की कार्यवाही भी देखी तथा संसदीय प्रणाली से अवगत हुए।
3 07 अप्रैल को विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को प्रभावी प्रस्तुतीकरण के लिये आवश्यक मूलभूत घटकों की जानकारी दी गयी।
4 09अप्रैल को एम0एड0 सत्र 2017–19 में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय परिसर में संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजित हुई।
5 विश्वविद्यालय एवं भारत समरसता मंच के संयुक्त तत्वावधान में 10अप्रैल को विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में महात्मा ज्योतिबाबाई फूले के जन्मदिवस के अवसर पर ''सामाजिक समरसता में पूर्वान्चल का योगदान'' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को विशिष्ट अतिथि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. पाण्डेय, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. पी.सी. पातंजलि एवं प्रो. यू.पी. सिंह, चिंतक एवं विचारक श्री इंद्रेश कुमार, शायर श्री अहमद निसार ने संबोधित किया।
6 25 अप्रैल को वित्तीय अध्ययन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के शोध एवं नवाचार केन्द्र में ''जीएसटी एण्ड स्टूडेन्ट एम्प्लायबिलिटी'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल, आई.सी.ए. संस्था के महाप्रबंधक श्री राजेश त्रिवेदी, कोलकता के चार्टेड एकाउंटेंट श्री अभिषेक टिबरवाल ने शिक्षकों एव विद्यार्थियों को जीएसटी के बारे में विस्तार से जानकारी दी।
8. विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित कांफ्रेन्स हाल में 28 एवं 29 अप्रैल को ''अध्यात्म एवं जीवन प्रबंधन'' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन कुलपति प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल ने किया । कार्यशाला के मुख्य अतिथि एव विषय विशेषज्ञ डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने अध्यात्म को अपनाकर तनाव एवं अवसादरहित जीवन जीने के बारे में प्रकाश डाला। हरिद्वार से आये विषय विशेषज्ञ डॉ. पंकज चंदेल ने तकनीकी सत्र में अध्यात्म और जीवन पर प्रकाश डाला।
9. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 64746 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।
10. अप्रैल, 2017 तक विश्वविद्यालय के 740 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।
11. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 604 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 380 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड किया गया।

खेल गतिविधियाँ–

12 07अप्रैल से 15अप्रैल तक विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बास्केट बाल, बैडमिण्टन, वालीवाल तथा एथलेटिक्स खेलों की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता–2017 का आयोजन किया गया।

मई, 2017

1. 02 मई एवं 12 मई को कार्य परिषद की बैठक, 12मई को परीक्षा समिति की बैठक तथा 30 मई को विद्या परिषद की बैठक का आयोजन किया गया।
2. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश आवेदन फार्म भरवाये जाने की प्रकिया प्रारंभ हुई।
3. वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की सत्र 2016–17 की मुख्य परीक्षायें 20 मई को सम्पन्न हो गयी।
4. 12 मई से 26 मई तक विधि की सेमेस्टर परीक्षाएं विभिन्न महाविद्यालय केन्द्रों पर सम्पन्न करायी गयी।
5. 20 मई से 27 मई तक एल0एल0एम0 की सेमेस्टर परीक्षाएं विभिन्न महाविद्यालय केन्द्रों पर सम्पन्न करायी गयी।
6. 15 मई से 27 मई तक बी0सी0ए0 एवं बी0बी0ए0 की सेमेस्टर परीक्षाएं विभिन्न महाविद्यालय केन्द्रों पर सम्पन्न करायी गयी।
7. 12 मई से 19 मई तक बी0एड0 सत्र 2016–18 द्वितीय सेमेस्टर एवं बी0एड0 सत्र 2015–17 चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं विभिन्न महाविद्यालय केन्द्रों पर सम्पन्न करायी गयी।
8. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 67156 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।
9. मई, 2017 तक विश्वविद्यालय के 740 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।
10. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 659 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 417 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

जून, 2017

1. विश्वविद्यालय में 10 जून को कार्य परिषद की बैठक का आयोजन किया गया।
2. विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 04जून को विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजाराम यादव द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिये शपथ दिलाई गयी।
3. विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान स्थित रिसर्च एवं इनोवेशन सेंटर में 05जून को अस्थाई प्रमाण पत्र व प्रव्रजन प्रमाण पत्र के ऑनलाइन सृजन सुविधा की शुरुआत की गयी। मा.

नगर विकास राज्यमंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव ने कम्प्यूटर बटन क्लिक कर इस सुविधा का लोकार्पण किया। इस सुविधा से विगत वर्षों के विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थी ऑनलाइन डिग्रियों को प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने पूर्व कुलपति प्रो पीयूष रंजन अग्रवाल की प्रशंसा की और उन्होंने कहा कि इस ऑनलाइन सिस्टम का खाका उन्होंने ही खींचा था जो आज साकार रूप में परिणित हुआ है।

4. विश्वविद्यालय परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामाजिक विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान स्थापित किये जाने हेतु विस्तृत प्रस्ताव 13जून को मा0 उच्च शिक्षा मंत्री तथा मा0 मुख्यमंत्री जी को स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया तथा विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक एवं संस्कारात्मक अन्य गतिविधियों के लिये रू0 100 करोड़ के अनुदान की मॉग शासन से की गई। अभी तक विश्वविद्यालय के लिए उ. प्र. सरकार से कोई अनुदान प्राप्त नहीं होता है।

5. विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में 21जून को तृतीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग दिवस के अवसर पर योग आचार्य अमित आर्य ने कॉमन प्रोटोकॉल के तहत योगाभ्यास करवाया। बतौर मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के दर्जा प्राप्त कैबिनेट, मंत्री समन्वय सेवा केंद्र आश्रम, जबलपुर के महामंडलेश्वर स्वामी श्री अखिलेश्वरानंद जी ने कहा कि आज पूरी दुनिया योग के प्रति नतमस्तक हो गई है। हम अपनी योग की आंतरिक शक्ति को केंद्रित कर अनुभव करें तो वे सारे दृश्य आंख के सामने आ रहे हैं कि पूरी दुनिया योगं शरणम गच्छामि कहते हुए आज महर्षि पतंजलि के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट कर रही है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रोफेसर डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि हमारा देश अध्यात्मिक राष्ट्र है इसलिए हम विश्व गुरु हैं। सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन हमारे सन्यासी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग पुरुष के अंदर असीम शक्ति होती है, इसका प्रकटीकरण समय– समय पर आवश्यकता के अनुसार वह करते हैं।

इसके पूर्व 20जून को योग दिवस की पूर्व संध्या पर परिसर में योग यात्रा निकाली गई। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी श्री अखिलेश्वरानंद जी महाराज एवं कुलपति प्रोफेसर डॉ0 राजाराम यादव ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा प्रारंभ कराई। यात्रा में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसके पश्चात मुक्तांगन परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति से कलाकारों ने लोगों का मन मोह लिया।

6. वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की सत्र 2016–17 की मुख्य परीक्षाओं की उत्तर–पुस्तिकाओं का केन्द्रीय मूल्यांकन कराकर जून माह में परीक्षाफल घोषित हुआ।

7. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLINET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 72432 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।

8. जून, 2017 तक विश्वविद्यालय के 770 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

9. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 622 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 472 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड हुई।

जुलाई, 2017

1. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 05 जुलाई, को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया तथा प्रवेश हेतु काउन्सिलिंग हुई।

2. विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों में रिक्त शिक्षकों के पद पर नियुक्ति हेतु 07 जुलाई को समाचार–पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराया गया ।

3. विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों में शोध कार्यों हेतु शोध प्रवेश परीक्षा– 2017 हेतु सम्बन्धित अभ्यर्थियों से दिनांक 07 जुलाई, से आनलाइन शोध प्रवेश परीक्षा आवेदन फार्म भरवाया गया।शोध प्रवेश परीक्षा दिनांक 13 अगस्त,को आयोजित हुई ।

4. 17 जुलाई को विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में **''परंपरागत ज्ञान एवं औषधियां''** विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में जवाहरलाल नेहरु राजकीय महाविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वाई. पी. कोहली ने कहा कि 90 के दशक से विदेशी कंपनियों ने हमारे परंपरागत ज्ञान को विलुप्त करने का प्रयास किया। शीतल पेय एवं जंक फूड की संस्कृति के चलते नई पीढ़ी आज विभिन्न प्रकार की बीमारियों से पीड़ित है। हमारे आसपास की वनस्पतियों के औषधीय गुणों से हमें वंचित रखा गया परिणामतः आज हम एलोपैथी दवाओं के सेवन के लिए विवश हैं।

कुलपति प्रो0 डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि फार्मेसी संस्थान द्वारा औषधीय गुणों से युक्त वनस्पतियों का संरक्षण एवं उनसे आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कराया जायेगा। इसके साथ ही स्थानीय वनस्पतियों एवं गो दुग्ध, घी,गो मूत्र एवं गोबर में प्राप्त गुणों से आम लोगों को जागरूक किया जायेगा। फार्मेसी संस्थान द्वारा निर्माण की गई सामग्रियों का प्रबन्ध अध्ययन संस्थान मार्केटिंग करेगा।

5. उद्योगों एवं व्यवसायों में हो रहे वैश्विक बदलावों एवं चुनौतियों से निपटने के लिए परिसर पाठ्यक्रम के विद्यार्थी तैयार हो सके इसके लिए विश्वविद्यालय ने पहल की। इस क्रम में विश्वविद्यालय में 07 जुलाई को इम्पीरियल कॉलेज, लंदन के अकादमिक विजिटर और ब्रिटिश स्टील, लन्दन के निदेशक बिजनेस डेवलपमेंट, डॉ. सूर्य कुमार सिंह के साथ कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने बैठक कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के शोध संस्थानों और उद्योग की मांग और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आयामों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। बैठक में डॉ. सूर्य कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वांचल क्षेत्र के युवा बहुत ही ऊर्जावान है। इसकी माटी से निकल कर आज विश्व के तमाम देशों में अपने काम से पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय ने उद्योग और व्यवसाय के मांग के अनुरूप कैसी शिक्षा दी जाये इस बारे में सोचा है यह बहुत ही सराहनीय कदम है। कुलपति प्रो. डॉ. राजा राम यादव ने डॉ. सिंह को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने विज्ञान, फार्मेसी एवं इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को उद्योग एवं व्यवसाय की वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए कैसे तैयार किया जाये इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

6. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 76113 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया गया।

7. जुलाई, 2017 तक विश्वविद्यालय के 777 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

8. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 631 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 491 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया गया।

अगस्त, 2017

1. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश एवं अध्ययन–अध्यापन का कार्य प्रारंभ हुआ।
2. 03 अगस्त, 2017 को विश्वविद्यालय परिसर में **''वस्तु एवं सेवाकरः आयाम एवं अवसर''** विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए उ.प्र. सरकार के उप मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सुधार के लिए जीएसटी वरदान साबित होगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। व्यापारी भाइयों को इसके लिए अधिक से अधिक पंजीकरण कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कपड़ा, आवास और कुछ सामान के दाम में वृद्धि का जो भ्रम फैलाया जा रहा है वह गलत है। जी.एस.टी. में परिणाम तीन महीने बाद आपके सामने आएंगे। उनका मानना है कि बदलती परिस्थितियों में आधुनिक तकनीक ने अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन किया है। पूरा देश आनलाइन व्यवस्था को स्वीकार कर रहा है इससे देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होने के साथ–साथ विकास दर में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

   विशिष्ट अतिथि, शहरी विकास राज्य मंत्री, श्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि सभी अनेक टैक्स को मिलाकर जीएसटी बनाया गया है,इससे इंसपेक्टर राज का खात्मा होगा और देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में संगोष्ठी के तकनीकी सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, भारत सरकार, श्री गिरीश नारायण पांडेय ने कहा कि सभी व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में टैक्स की जरूरत होती है। मधुमक्खी जैसे फूलो से रस लेकर शहद देती है उसी तरह सरकार टैक्स लेकर हमें सुविधा प्रदान करती है । वाराणसी के संयुक्त कमिश्नर, राज्यकर, श्री आर.एन.पाल ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर पर चर्चा करते हुए जीएसटी के फायदे पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। डिप्टी कमिश्नर, राज्यकर, श्री सुजीत कुमार जायसवाल ने कहा कि जीएसटी से घबराने की जरूरत नहीं है इससे व्यापारी और उपभोक्ता दोनों को फायदा है। सीए श्री अमित गुप्त ने जीएसटी से जुड़ी अनेक जानकारियां दी। उन्होंने समय पर टैक्स को जमा करने की सलाह दी।
3. 13 अगस्त, को विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों में शोध कार्यों हेतु शोध प्रवेश परीक्षा– 2017 का आयोजन किया गया।
4. 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर तथा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा संयुक्त रूप से राजभवन, लखनऊ में खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शैक्षिक सत्र 2016–17 की अवधि में क्रीड़ा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के 29 खिलाडियों को माननीय श्री राम नाईक, कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा स्वर्ण पदक, रजत पदक एवं कांस्य पदक देकर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ टीम मैनेजर एवं कोच को भी सम्मानित किया गया। प्रो. डॉ. राजाराम यादव, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर तथा प्रो. पृथ्वीश नाग, कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने माननीय कुलाधिपति तथा समस्त अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सुश्री जूथिका पाटणकर, प्रमुख सचिव, श्री चन्द्र प्रकाश, विशेष कार्याधिकारी, पदेन सचिव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

4 विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 78055 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

5 अगस्त, 2017 तक विश्वविद्यालय के 3174 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

6 AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 652 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 538 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

सितम्बर, 2017

1. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन–अध्यापन का कार्य प्रगति पर है।
2. 1 से 15 सितम्बर, 2017 तक विश्वविद्यालय परिसर में ''स्वच्छता पखवाड़ा'' का आयोजन कर शैक्षणिक विभागों, प्रशासनिक भवन तथा आवासीय परिसर में साफ–सफाई का वृहद अभियान चलाया तथा विद्यार्थियों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं ग्रामीण जनों को सफाई स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।
3. 05 सितम्बर को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में शिक्षक दिवस धूम धाम से मनाया गया। परिसर में स्थापित सर्वपल्ली डॉ0 राधाकृष्णन की प्रतिमा पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।
4. विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में 8 से 10 सितम्बर तक तीन दिवसीय ''ग्रोथ ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन द यूनिवर्सिटी कैंपस'' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में देश के जाने माने 70 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 कृष्ण लाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसा रोड मैप तैयार करे जो यहां से निकलने वाले छात्रों को देश के निर्माण से जोड़े। उन्होंने कहा कि आज गुणवत्तायुक्त शिक्षा का सवाल है इस दिशा में देश के विश्वविद्यालयों को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। विज्ञान भारती, दिल्ली के महासचिव डॉ. ए. जय कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के सपने को साकार करेगी। समाज निर्माण में विश्वविद्यालयों की बड़ी भूमिका है। आज वैश्विक स्तर पर एक नए क्षेत्र का निर्माण हो रहा है। भारत में पहली बार राजनीतिक चिंतक व विद्वान मिलकर मेक इन इंडिया के लिए काम कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. बी.के. अग्रवाल ने कहा कि आज देश की प्रगति के लिए अलग–अलग क्षेत्रों में विशेषज्ञों की आवश्यकता है। शिक्षा जगत को इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। नवोन्मेष तभी होंगे जब गहन अध्ययन होगा।

विश्वविद्यालय परिसर में मौलिक विज्ञान एवं रिसर्च सेन्टर प्रारम्भ करने हेतु उ.प्र. शासन एवं माननीय कुलाधिपति जी को अनुमति प्राप्त करने के लिये विस्तृत प्रस्ताव तैयार किये गये।

5. शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्रारम्भ की गई है।

6. विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में 25 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय फार्मेसी दिवस का आयोजन किया गया। संस्थान के विद्यार्थियों ने "स्वच्छ रहें –स्वस्थ रहें" का नारा लगाते हुए परिसर में प्रभातफेरी निकाली। प्रभातफेरी के कुलपति आवास पहुंचने पर "मानव स्वास्थ्य के लिए फार्मासिस्ट की भूमिका" विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि सेवा भाव से बढ़ कर और कुछ नहीं है। हमारी संस्कृति में सर्व दुःख को समाप्त करने की प्रार्थना है। आप सभी भविष्य के होने वाले फार्मासिस्ट हैं। यही अपेक्षा है कि समाज में सभी के लिए चिकित्सा सेवा उपलब्ध रहे।

7. विश्वविद्यालय के संकाय भवन के कांफ्रेंस हॉल में दिनांक 25सितम्बर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के तहत विश्वविद्यालय में हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

8. 23 सितम्बर को विश्वविद्यालय के कांफ्रेंस हाल में 14 वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के क्रम में किया गया। मुख्य अतिथि जौनपुर के पूर्व सांसद श्री विद्यासागर सोनकर, विशिष्ट अतिथि संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के नामित समन्वयक, गुरुग्राम हरियाणा के डॉ. अनुपम कुरलवाल रहे।

9. 20 सितम्बर को विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मशती वर्ष के अंतर्गत अंत्योदय, ग्राम विकास एवं मानव एकात्मवाद विषय पर फार्मेसी संस्थान में पोस्टर, संकाय भवन में परिचर्चा, कविता पाठ, प्रबंध अध्ययन संकाय में स्लोगन, लेखन एवं विश्वेश्वरैया हाल में निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें परिसर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

10. 20 सितम्बर को विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत परिसर इकाई के स्वयंसेवक–सेविकाओं को कार्यक्रम समन्वयक ने स्वच्छता शपथ दिलवाई।

11. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 78055 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

12. सितम्बर, 2017 तक विश्वविद्यालय के 3456 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर शोध प्रबन्ध अपलोड किये जाने के मामले में यह विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों की सूची में सम्मिलित हुआ है।

13. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 659 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 547 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

अक्टूबर, 2017

1. विश्वविद्यालय में 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती, स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती एवं विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

2. विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 04 से 08 अक्टूबर 2017 तक संगोष्ठी भवन में पॉच दिवसीय श्री राम कथा अमृतवर्षा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रख्यात कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज श्री रामकथा के दौरान गुरु महिमा, कुसंग, दहेज जैसे मुद्दों पर विस्तार से अपनी बात रखी तथा आम जन को इन दुष्प्रवृत्तियों से मुक्त रहने का आह्वान किया। संगीत संध्या में प्रख्यात नर्तक श्री विशाल कृष्ण, वाराणसी श्री रवि सिंह, इलाहाबाद एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत प्रोफेसर श्री रामशंकर जी ने अत्यन्त उत्कृष्ट कोटि का संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

3. 25 से 27 अक्टूबर 2017 तक विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के शोध एवं नवाचार केंद्र में "उद्यमिता विकास" के लिए तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन उद्यमिता विकास संस्थान लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में किया गया । उद्घाटन सत्र में उद्यमिता विकास संस्थान की स्रोत विद्वान डॉ. विभा त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थियों में उद्यमिता का विकास करने के लिए शिक्षकों की क्षमता में वृद्धि होना आवश्यक है। लखनऊ से आई डॉ. पद्मा अय्यर ने संचार कौशल की बारीकियों पर चर्चा की।

4. करंजाकला ब्लाक, जौनपुर के नदियापारा प्राइमरी और पूर्व माध्यमिक विद्यालय के छात्र– छात्राएं, शुक्रवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में, शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत पंहुचें। विश्वविद्यालय के संकाय भवन के माइक्रोबायोलॉजी लैब ,क्लास रूम और विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय का करीब से अवलोकन किया। पहली बार विश्वविद्यालय पहुचें बच्चों ने तमाम जानकारियां हासिल की। माइक्रोबायोलॉजी लैब में इन छात्रों को विभाग के शिक्षकों ने जीवाणुओं के बारे में जानकारी दी। विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में बच्चों को भारतीय संविधान की मूल प्रति को दिखाते हुए उसके बारे में बताया गया। इसके साथ ही पुस्तकों, पत्रिकाओं और कंप्यूटर प्रयोग का भी सम्यक ज्ञान दिया।

5. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती वर्ष के उपलक्ष्य में 28से 30 अक्टूबर, तक "भारतीय विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति" विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री राम नाईक जी ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी देश की प्रगति में वहां की शिक्षा पद्धति का विशेष योगदान होता है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे पास सबसे बड़ी पूंजी के रूप में युवा है। संख्या शास्त्र बताता है कि 2025 में भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा शक्ति वाला देश होगा। इसका उपयोग शिक्षा के माध्यम से ही करना होगा । उन्होंने कहा कि देश का जिम्मा युवाओं के हाथ में है इन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है यह काम शिक्षा संस्थान ही कर सकते हैं । उन्होंने कहा कि संगोष्ठी का विषय प्रासंगिक और उपयोगी है । उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए कहा कि पहले शिक्षा और नर्सिंग के क्षेत्र में महिलाएं नौकरी करती थी अब वह पुलिस –सेना से लेकर बड़े बड़े पदों पर कुशलता के साथ सेवारत हैं। इस अवसर

21वाँ दीक्षान्त समारोह

पर उन्होंने विद्यार्थियों को ऐतरेय ब्राह्मण के सूत्र चरैवेति चरैवेति – चलते रहो चलते रहो का मंत्र दिया।

विशिष्ट अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. रमेश चंद्रा ने विश्व में टॉप फाइव पर आने के लिए कड़ी मेहनत की जरूरत पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि कार्य परिषद के सदस्य डॉ. दीनानाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिबद्धता के लिए सुसंवाद का होना जरूरी है।

अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रोफेसर डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियों को अर्जित कर रहा है। देश का यह पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां शोध की गुणवत्ता को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय ने अपने स्रोत से पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप की व्यवस्था की है। परिसर में सांस्कृतिक एवं नैतिक संचार हेतु श्री राम कथा प्रवचन का आयोजन करने वाला यह देश का पहला विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि यहां के विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति के अनुरूप शिक्षा प्रदान की जाय। इसके लिए शीघ्र ही नए पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जा रहे हैं।

मा0 कुलाधिपति/श्री राज्यपाल श्री राम नाईक जी ने प्रो. डॉ. राजाराम यादव, कुलपति एवं डॉ0 पुनीत कुमार धवन द्वारा सम्पादित ''आशु कवि श्री दरबारी लाल यादव की रचनाएं'' पुस्तक का विमोचन किया और पुस्तक को बहुउपयोगी बताया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उच्च शिक्षा की स्वायत्तता, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और उच्च शिक्षा का निजीकरण विषयों पर चर्चा हुई जिसमें डालमिया कॉलेज, मुंबई के प्राचार्य डॉ. एन. एन. पांडेय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. आर. एन. सिंह और डॉ. जगदीश सिंह दीक्षित ने अपने विचार व्यक्त किये।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वेश्वरैया हाल में उच्च शिक्षा पद्धति में बदलाव, उच्च शिक्षा के प्रति पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दृष्टिकोण, एकात्म मानववाद और शिक्षा पद्धति विषयों पर तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री, सामाजिक चिंतक –विचारक एवं वरिष्ठ संघ प्रचारक श्री रत्नाकर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के मदन मोहन हिंदी पत्रकारिता संस्थान के निदेशक प्रो. ओम प्रकाश सिंह, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पी. एन. सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की प्रोफेसर कल्पलता पांडेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी के पूर्व प्रोफेसर डॉ. राम गोपाल ने अपने विचार व्यक्त किये। आयोजित सत्र में शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भी अपने–अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे दिन भारत में प्राचीन शिक्षा पद्धति व एकात्म मानववाद और भारतीय मूल्य विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। विभिन्न सत्रों में मुख्य वक्ताओं के क्रम में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेश चंद्र गौतम, अरुंधति वशिष्ठ अनुसन्धान पीठ के निदेशक डॉ चंद्र प्रकाश सिंह, वाराणसी के उद्योगपति श्री दीनानाथ झुनझुनवाला, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के गणित के प्रोफेसर डॉक्टर एस. के. मिश्रा ने विस्तार से अपनी बात रखी।

अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए विद्यार्थी सबसे महत्वपूर्ण है उनके बिना कोई संस्थान सजीव नहीं हो सकता। ऐसे में ऐसी विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति निर्मित हो जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक हो सके। उन्होंने राज्य विश्वविद्यालयों को अनुदान बढ़ाने पर भी जोर दिया।

6. **खेल गतिविधियॉ–**

अक्टूबर माह में विश्वविद्यालय की क्रीडा की टीमों ने निम्नलिखित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया :–

1. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय बास्केटबाल पुरूष प्रतियोगिता
2. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय बैडमिन्टन महिला एवं पुरूष प्रतियोगिता
3. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय वालीबॉल पुरूष प्रतियोगिता
4. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय टेनिस पुरूष प्रतियोगिता
5. अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय योग महिला एवं पुरूष प्रतियोगिता
6. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय बास्केटबाल महिला प्रतियोगिता
7. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल पुरूष प्रतियोगिता
8. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हैण्डबाल महिला प्रतियोगिता
9. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय वालीबाल महिला प्रतियोगिता
10. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हाकी पुरूष प्रतियोगिता
11. पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय फुटबाल महिला प्रतियोगिता
12. अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय योग महिला एवं पुरूष प्रतियोगिता

7. **विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित खेलों का विवरण**

1. अन्तर महाविद्यालयीय हाकी पुरूष प्रतियोगिता
2. अन्तर महाविद्यालयीय कुश्ती पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता
3. अन्तर महाविद्यालयीय क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता

8. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में छथ्स्ठछम्ज द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 78055 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
9. अक्टूबर, 2017 तक विश्वविद्यालय के 4018 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।
10. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 659 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 547 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।
11. विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा सत्र 2017–18 की तैयारियों के संबंध में समस्त प्राचार्यों की बैठक हुई।

नवम्बर, 2017

1. 17 नवम्बर को परीक्षा समिति, 24 नवम्बर को विद्या परिषद तथा 28 नवम्बर को वित्त समिति की बैठक का आयोजन किया गया।
2. 13 नवम्बर से 22नवम्बर तक श्रेणी सुधार परीक्षाओं का आयोजन किया गया।
3. 03 नवम्बर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर एन0बी0 सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति को पौधा भेंटकर पर्यावरण रक्षा का संकल्प दिलवाया। प्रोफेसर सिंह ने कदम, इंडियन बादाम

आम व जामुन के पौधे विश्वविद्यालय को भेंट किए जिसे विश्वविद्यालय के कुलपति, शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ गांधी वाटिका एवं कुलपति आवास में लगाया गया।

4. 06नवम्बर को विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए संगोष्ठी भवन में प्रवेशण कार्यक्रम संगम 2017 के तहत सांस्कृतिक एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में नीतीश बिंद्रा, सैयद इकबाल, आलोक कुमार मिश्रा ,हरिशंकर प्रजापति, शालिनी, रुचि उपाध्याय, काजल चौबे एवं रियांशी सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जिन्हें पुरस्कृत किया गया।
5. 07 नवम्बर को विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कुम्हार द्वारा चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाने की कला प्रदर्शित की गई। विद्यार्थियों ने भी अपने हाथों से कई मिट्टी के बर्तन बनाएं और इस कला से रूबरू हुए। तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस कला के प्रदर्शन का उद्देश्य आज की पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़कर रखना था। इस अवसर पर विश्वेश्वरैया हॉल में विशेष व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर सी.के. द्विवेदी ने इमबेडेड सिस्टम पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने इमबेडेड तकनीकी से बने ड्रोन को उड़ाकर दिखाया। वहीं इंजीनियरिंग संस्थान में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में 8 टीमों ने भाग लिया जिसमें पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ,सोशल मीडिया आदि विषयों पर रंगोली के माध्यम से अपनी सृजन क्षमता प्रदर्शित की। इस प्रतियोगिता में मोनिका पाल प्रथम, निधि यादव द्वितीय और काजल चौबे की टीम तृतीय स्थान पर रही।
6. 08 नवम्बर को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा संकाय भवन के कांफ्रेंस हॉल में ''क्षेत्रीय पत्रकारिता का नया दौर'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के निदेशक प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह तथा माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के प्रोफेसर श्रीकांत सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्बोधित किया।
7. 10 नवम्बर को विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के शोध एवं नवाचार केंद्र में व्यावसायिक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ''नोटबंदी के एक साल'' विषयक परिचिर्चा का आयोजन किया गया। परिचिर्चा में विद्यार्थियों ने नोटबंदी से जुड़े विविध पहलुओं पर अपनी बात रखी। इसके साथ ही अपने अनुभवों को भी साझा किया।
8. 11 नवम्बर को विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा फोटो केमिकल स्मॉग के विभिन्न आयामों पर मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने उत्तर भारत में छाई धुंध, स्मॉग के कारण, निवारण एवं बचाव पर अपनी बात रखी।
9. 10 नवम्बर को विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में शिक्षकों के लिये तीन दिवसीय कार्यशाला प्रारम्भ हुई। इसका आयोजन तकनीकी शिक्षा उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। आई.आईटी. बी.एच.यू. वाराणसी के आचार्य डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने परिवार, समाज और प्रकृति में शिक्षक के महत्व के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला के दूसरे दिन आई.आई.टी. बी.एच.यू. से आये श्री योगेश कुमार सिंह ने कहा कि छात्रों में ऐसे गुणों का विकास करना चाहिए जिसमें छात्र अपने सभी मौलिक अधिकारों और जिम्मेदारी के प्रति सचेत रहें और अभावमुक्त, समृद्धिपूर्वक जीवन को व्यतीत करें। कार्यशाला के समापन के दिन काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अमरेंद्र कुमार ने दूसरे के प्रति व्यवहार एवं स्त्री पुरुष के भावनात्मक संबंधों पर विस्तार से चर्चा की।

10. 15 नवम्बर को केन्द्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का उदघाटन हुआ तदोपरान्त अपरान्ह में एक तकनीकी सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
11. 17 नवम्बर को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा संगोष्ठी भवन में छात्रों को रोजगार दक्षता के विकास के लिए लखनऊ की संस्था लाइमैन साल्यूशन द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत एक प्लेसमेन्ट ड्राईव भी चलायी गयी जिसमें विश्वविद्यालय के चार छात्र चयनित हुए। प्रो. राजीव त्रिपाठी, निदेशक, मोतीलाल नेहरू नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्र–छात्राओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सुश्री मोक्षदा सिंह, सीईओ, निवेदिता सिंह, निदेशक, लाइमेंन सॉल्यूशंस एवं मुख्य ट्रेनर अंकित सिंह ने विद्यार्थियों को रिक्रूटमेंट के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को नौकरी के लिए रोजगार के समय इंटरव्यू की तकनीकी से भी परिचित कराया। उक्त समस्त कार्यक्रम प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ की निदेशिका प्रोफेसर रंजना प्रकाश के नेतृत्व में सम्पादित हुआ।
12. 18 नवम्बर को विश्वविद्यालय के काम्फ्रेंस हाल में ''महाविद्यालय में नैक मूल्यांकन आवश्यकता एवं उपयोगिता'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों को आमंत्रित कर उनसे महाविद्यालयों का नैक मूल्यांकन कराने के लिये प्रेरित किया गया।
13. 20 नवम्बर को विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग संकाय द्वारा दो दिवसीय एक्सपर्ट टाक का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि आई.ई.टी. लखनऊ के प्रोफेसर वी. के. सिंह थे।
14. 20 नवम्बर से विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान स्थित शोध एवं नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह आयोजित किया गया।
15. 24 नवम्बर को विश्वविद्यालय के प्रबन्ध अध्ययन संकाय में राष्ट्रीय

    सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान गृह मंत्रालय के निर्देश पर सांप्रदायिक सदभाव के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों द्वारा रंगोली, स्लोगन, कोलाज, पेंटिंग एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गयी तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

खेल गतिविधियाँ–

1. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय कबड्डी पुरुष–**

   यह प्रतियोगिता 12 से 17 नवम्बर 2017 तक एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अखिल

भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त की।

2. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय कबड्डी महिला–**
यह प्रतियोगिता 14 से 18 नवम्बर 2017 तक ए. पी. एस. विश्वविद्यालय, रीवां में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त की।

3. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय खो–खो महिला–**
यह प्रतियोगिता दिनांक 22 से 26 नवम्बर 2017 तक विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त की।

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित खेलों का विवरण–

1. **अन्तर महाविद्यालयीय हाकी महिला प्रतियोगिता–**
यह प्रतियोगिता एकलब्य स्टेडियम में 07 एवं 08 नवम्बर 2017 को सम्पन्न हुई, जिसमें तीन महाविद्यालयों की टीमें एवं 4 महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में श्री मेघबरन सिंह महाविद्यालय, करमपुर, गाजीपुर ने प्रथम एवं मो0 हसन पी0 जी0 कालेज, जौनपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

2. **अन्तर महाविद्यालयीय खो–खो महिला प्रतियोगिता–**
यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 09 नवम्बर को सम्पन्न हुई, जिसमें तीन महाविद्यालयों की टीमें एवं 2 महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में मो0 हसन पी0 जी0 कालेज, जौनपुर ने प्रथम एवं गोविन्द बल्लभ पन्त महाविद्यालय, प्रतापगंज, जौनपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

3. **अन्तर महाविद्यालयीय खो–खो पुरूष प्रतियोगिता–**
यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 10 नवम्बर 2017 को सम्पन्न हुई, जिसमें सात महाविद्यालयों की टीमें ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में गोविन्द बल्लभ पन्त महाविद्यालय, प्रतापगंज, जौनपुर ने प्रथम एवं मो. हसन पी. जी. कालेज, जौनपुर ने द्वितीय स्थान एवं मां प्यारी देवी महाविद्यालय, जौनपुर तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

4. **अन्तर महाविद्यालयीय फुटबाल पुरूष प्रतियोगिता–**
यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 11 एवं 12 नवम्बर 2017 को सम्पन्न हुई, जिसमें सात महाविद्यालयों की टीमें एवं 3 महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में शिबली नेशनल कालेज, आजमगढ़ प्रथम, मां प्यारी देवी महाविद्यालय, जौनपुर ने द्वितीय स्थान एवं विश्वविद्यालय कैम्पस तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

5. **अन्तर महाविद्यालयीय एथलेटिक पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–**
यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 14 से 17 नवम्बर 2017 को सम्पन्न हुई, जिसमें चालीस महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता के पुरूष वर्ग में हण्डिया पी. जी. कालेज, हण्डिया, इलाहाबाद प्रथम, मो. हसन पी. जी. कालेज, जौनपुर ने द्वितीय स्थान एवं सल्तनत बहादुर पी. जी. कालेज, बदलापुर, जौनपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा महिला वर्ग में मो. हसन पी. जी. कालेज, जौनपुर प्रथम, पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय सैदपुर, गाजीपुर द्वितीय एवं सल्तनत बहादुर पी. जी. कालेज, बदलापुर, जौनपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

5. **अन्तर महाविद्यालयीय तीरंदाजी पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–**
यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 28 नवम्बर 2017 को सम्पन्न हुई, जिसमें छः महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में लुटावन महाविद्यालय, सगरा, गाजीपुर प्रथम, हिन्दू पी. जी. कालेज, जमांनियां, गाजीपुर द्वितीय एवं पी. जी. कालेज, गाजीपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

6. **अन्तर महाविद्यालयीय भारोत्तोलन पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–**
यह प्रतियोगिता एकलब्य स्टेडियम में 29 एवं 30 नवम्बर 2017 को सम्पन्न हुई, जिसमें दस महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में स्वामी सहजानन्द पी. जी. कालेज, गाजीपुर प्रथम, राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ, जौनपुर द्वितीय एवं पी. जी. कालेज, गाजीपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

4 विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 78055 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

5 नवम्बर, 2017 तक विश्वविद्यालय के 7523 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।

6 AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 659 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 547 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

दिसम्बर, 2017

1. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन–अध्यापन का कार्य सुचारू रूप से प्रगति पर है।
2. 01 दिसम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में उत्कृष्ट शोध पत्र लेखन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय एवं स्प्रिंगर नेचर इण्डिया दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यशाला को दिल्ली की विषय विशेषज्ञ डॉ. गीतिका सरीन तथा स्प्रिंगर इण्डिया के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री कुंज वर्मा ने सम्बोधित किया।
3. 04 दिसम्बरको प्रबन्ध अध्ययन संकाय द्वारा एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मिजोरम विश्वविद्यालय के प्रबन्ध अध्ययन व वाणिज्य संकाय के शिक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने ''विरोधाभासी प्रबन्धन व हमारा जीवन'' विषय पर अपना उद्बोधन दिया।
4. विश्वविद्यालय परिसर स्थित पाठ्यक्रमों की सेमेस्टर परीक्षाएं 08से 23 दिसम्बर तक सम्पन्न करायी गयी।
5. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की बी.एड., एम.एड. और एल.एल.बी. की सेमेस्टर परीक्षायें दिनांक 14 दिसम्बर से 10 जनवरी, 2018 तक चली।

6. इस सत्र में पी–एच0डी0 (शोध) हेतु प्रवेश किये जा रहे है।
7. विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में दिनांक 10 दिसम्बर से दो दिवसीय व्याख्यानमाला में विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार और उत्पाद का प्रशिक्षण तथा **स्टार्ट अप** विषय पर जानकारी दी गयी।
8. उत्तर प्रदेश, राज्य उच्च शिक्षा परिषद के निर्देश पर विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित कांफ्रेंस हाल में दिनांक 12 दिसम्बर को ''स्वराज मेरा जन्म सिद्व अधिकार है, इसे लेकर रहूंगा'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा **सुश्री ऋचा पाण्डेय को प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित किया जायेगा।**
9. विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के दो छात्र आगामी 26 जनवरी को दिल्ली में होने वाले गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित हुए हैं। पूरे प्रदेश से चयनित 6 छात्रों में अकेले वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय के **दो छात्रों को यह कामयाबी मिली है।**
10. फार्मेसी संस्थान के शोध एवं नवाचार केंन्द्र में ''बाल विवाह की रोकथाम, लिंग आधारित भेदभाव'' विषयक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन यूनिसेफ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।
11. **खेल गतिविधियॉ–**

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित खेलों का विवरण–

1. अन्तर महाविद्यालयीय क्रिकेट पुरूष प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में दिनांक 07 एवं 14 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न हई।
2. अन्तर महाविद्यालयीय तलवारबाजी पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में 12 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न हुई, जिसमें 6 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।
3. अन्तर महाविद्यालयीय टी.टी. पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में 21 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न हई, जिसमें 5 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।
4. अन्तर महाविद्यालयीय वूसू पुरूष प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में 22 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न हई, जिसमें 6 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।
5. अन्तर महाविद्यालयीय जूडो पुरूष प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम में दिनांक 27 दिसम्बर, 2017 को सम्पन्न हई, जिसमें 6 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।

उपलब्धियां–

1. अखिल भारतीय अन्तर महाविद्यालयीय भारोत्तोलन पुरूष एवं महिला तथा शरीर सौष्ठव पुरूष प्रतियोगिता 20 से 23 दिसम्बर, 2017 तक चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की महिला टीम में गौरी पाण्डेय 53 कि. ग्रा. भार वर्ग में नये कीर्तिमान के साथ प्रथम स्थान व साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया एवं नीलम पटेल 75 कि.ग्रा. भार वर्ग में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।पुरूष टीम में दीपक यादव 85 कि.ग्रा. भार वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया, राव बिलाल 75 कि.ग्रा. भार वर्ग शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

12. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में NFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL में अब तक 78055 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
13. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पोर्टल ''शोध गंगा'' पर शोध प्रबन्ध अपलोड करने के सम्बन्ध में पूर्वान्चल विश्वविद्यालय देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। विश्वविद्यालय के सभी शोध ग्रंथ अब आनलाईन पढ़े जा सकते हैं। दिसम्बर, 2017 तक विश्वविद्यालय के7529 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये।
14. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2016–2017 हेतु 659 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 547 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

जनवरी, 2018

1. 10 जनवरी को कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन किया गया।
2. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में 4 जनवरी को दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस तकनीकी प्रशिक्षण में इंजीनियरिंग संस्थान के 261 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर तकनीकी कौशल, सी प्लस–प्लस, डेटाबेस मैनेजमेंट,ग्राफिक डिजाइन,मैटलैब का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
3. विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा उमा नाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में 03 जनवरी को कैंपस सलेक्शन का आयोजन किया गया। जिसमें इंजीनियरिंग के 22 विद्यार्थियों का चयन हुआ।
4. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजा राम यादव ने 10 जनवरी को कुलपति सभागार में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति राम नाईक द्वारा लिखी चरैवेति चरैवेति पुस्तक को कार्य परिषद के सदस्यों को भेंट कर पुस्तक वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। दस हजार पुस्तकें वितरित की जा रहीं हैं।
5. 09 जनवरी को संगोष्ठी भवन में प्रखर देशभक्त हिंदू धर्म दर्शन के संवाहक – स्वामी विवेकानंद विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रज्ञा प्रवाह के वैचारिक संगठन उन्मेष के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश के बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मिथिलेश नारायण ने अपने विचार व्यक्त किये। अध्यक्षता कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने की।
6. 12 जनवरी को विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर आयोजित ''राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह'' में बतौर मुख्य अतिथि मा. मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्य नाथ ने कहा कि युवाओं के सामने कई चुनौतियां है सच्चा युवक वही है जो पलायन करने के बजाए चुनौतियों को स्वीकार करे। स्वागत भाषण में कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि देश में पोस्ट डाक्टोरेट फेलोशिप देने वाला यह पहला विश्वविद्यालय है। साथ ही समय से परीक्षा कराने और उसके परिणाम घोषित करने वाले अग्रणी विश्वविद्यालय में यह एक है। उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ हो रहे नवीन पाठ्यक्रमों एवं संस्थानों के लिए वार्षिक वेतन के रूप में 11 करोड़ एंव भवन निर्माण के मदमें 18 करोड़ रूपये की मांग की।
7. विश्वविद्यालय के छात्र श्री शील निधि सिंह, बी.टेक. एवं कु. पूजा मिश्रा ने कम से कम 1 वर्ष बिना किसी अपेक्षा के पूर्णकालिक समाज सेवा करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर 12 जनवरी 2018 को आयोजित ''राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह'' में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्य नाथ ने कहा कि युवाओं के सामने कई चुनौतियां है सच्चा युवक वही है जो पलायन करने के बजाए चुनौतियों को स्वीकार करे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में डिग्री बांटने का केंद्र न बने बल्कि वह नौजवानों के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए और विश्वविद्यालय नकल विहीन परीक्षा के लिए अपने को तैयार रखें। यही स्वामी विवेकानंद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय रज्जू भैया अशोक सिंघल और अन्य के नाम पर बने संस्थान को सरकार हर मदद करने देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव को जो कार्य योजना का प्रारूप सौंपा है वह उसे प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग में प्रेषित करें। सरकार उसे अगले सत्र से शुरू करने में मदद करेगी।

स्वागत भाषण में कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने कहा कि मैं बहुत ही सौभाग्यशाली हूँ कि मुझे गृह जनपद में स्वामी मंशानाथ जी ने आशीर्वाद दिया था आज उनके विश्वविद्यालय में महंत योगी आदित्यनाथ जी आए हैं। उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ हो रहे नवीन पाठ्यक्रमों एवं संस्थानों के लिए वार्षिक वेतन के रूप में 11 करोड़ एंव भवन निर्माण के मद में 18 करोड़ रूपये की मांग की। उन्होंने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के विविध पक्षों की उत्तरोत्तर प्रगति की आख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम में 40,000 से अधिक विद्यार्थी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

इसके पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राकेश यादव, ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. बी.बी.तिवारी एवं संचालन मीडिया प्रभारी डॉ. मनोज मिश्र ने किया। इस अवसर पर सांसद के. पी. सिंह, राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, काशी क्षेत्र के भाजपा के संगठन मंत्री रत्नाकर जी, विधायकगण रमेश मिश्र, दिनेश चौधरी, श्रीमती लीना तिवारी, यूथ इन एक्शन के राष्ट्रीय संयोजक शतरूद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक श्रीमती सीमा द्विवेदी, प्रमुख सचिव अवनीश अवस्थी, जन संत योगी देवनाथ, सुशील कुमार उपाध्याय, अवध प्रांत के उपाध्यक्ष अमर सिंह, मंचासीन रहे।

मा. राज्यपाल की पुस्तक मा. मुख्यमंत्री को की भेंट

समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ एवं मंचस्थ अतिथियों को उत्तर प्रदेश के मा. राज्यपाल रामनाईक द्वारा लिखित पुस्तक चरैवेति–चरैवेति को मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. मानस पाण्डेय द्वारा भेंट किया गया।

मा. मुख्यमंत्री ने भवनों का किया शिलान्यास

संगोष्ठी भवन परिसर में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के साथ कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकी विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान भवन एवं अशोक सिंघल भारतीय परंपरागत विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान भवन का शिलान्यास किया। इसके साथ ही संगोष्ठी भवन का नामकरण पूज्य महंत अवैद्यनाथ के नाम पर हुआ।

उल्लेखनीय योगदान के लिए हुए सम्मानित

प्रो. बी.बी. तिवारी, समन्वयक टेकिप एवं प्लेसमेण्ट सेल की निदेशक प्रो. डॉ. रंजना प्रकाश को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्लेसमेण्ट प्रदान करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रख्यात युवा शास्त्रीय गायक सत्य प्रकाश मिश्र को शास्त्रीय गायन में एवं प्रख्यात युवा कथक नर्तक रवि सिंह को कथक नर्तन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया। विश्वविद्यालय के बी.टेक. विद्यार्थी रहे शील निधि सिंह एवं विश्वविद्यालय की एम.ए. बी.एड. की छात्रा कु. पूजा मिश्र को समाज सेवा के लिए पूर्ण कालिक समय देने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रमाण–पत्र प्रदान कर आशीर्वाद दिया।

केन्द्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेण्ट सेल

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने विश्वविद्यालय परिसर के व्यवसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए इंजीनियरिंग संस्थान में सुसज्जित केन्द्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेण्ट सेल की स्थापना की। इसके सफल संचालन हेतु इलाहाबाद विश्वविद्यालय की अनुभवी प्रोफेसर रंजना प्रकाश को निदेशक नियुक्त किया। सेल द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास, संचार कौशल, कम्प्यूटर कौशल, व्यक्तित्व विकास हेतु विभिन्न कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें उद्योग से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञों को तकनीकी ज्ञान से लैस किया।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के पाँच विद्यार्थियों का चयन लाइमन सोल्यूशन लखनऊ एवं 03 जनवरी को टैलेंट पूल, चण्डीगढ़ द्वारा टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के पद पर बी.टेक. चतुर्थ वर्ष के 22 विद्यार्थियों का चयन किया गया।सेल के गठन और कैम्पस सेलेक्शन कार्यक्रम के आयोजन से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में आशा की एक नई किरण जगी है।

तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता व उन्नयन कार्यक्रम (टेकिप - III)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इन्जी0 एवं टेक्नोलॉजी संकाय जो उमानाथ सिहं इन्सटीट्यूट ऑफ इन्जी0 एण्ड टेक्नोलॉजी नाम से विख्यात है को तकनीकी शिक्षा के समस्त पहलुओं के उन्नयन हेतु विश्व बैक द्वारा भारत सरकार के माध्यम से तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता व उन्नयन् कार्यक्रम (टेकिप –III) के अर्न्तगत दस करोड रू मात्र की अनुदान राशि स्वीकृत हुई हैं। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, फर्नीचर जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के सुदृढीकरण के अतिरिक्त छात्रों के व्यक्तिव के चतुर्दिक विकास के अलावा उनमें शोघ परक क्षमतायें विकसित किये जाने, रोजगार हेतु उनको कैम्पस प्लेसमेण्ट हेतु सुयोग्य बनाने जैसे गम्भीर विषयों को आगे बढाने का अवसर मुहैया कराया जा रहा है। साथ ही शिक्षकों में व्यावसायिकत के विकास, शोघ के विकास, डिजिटल लर्निगं, मेण्टर–संस्था PES College of Engg. Mandya के साथ MOU के अर्न्तगत शैक्षणिक साझेदारी स्थापित किये जाने, प्रशासनिक सुधार एवं गर्वनेन्स स्थापित किये जाने, प्रबन्धन क्षमता विकसित किये जाने, उद्योग–धन्धे के सगठनों के साथ तादात्म्य स्थापित किये जाने, स्टार्ट–अप सेल के जरिये इन्जीनियरिग के विद्यार्थियों में नवोन्मेष की प्रवृति जागृत किये जाने "स्वयं" प्लेटफार्म के जरिये शैक्षणिक गतिविघियों में अभिरूचि उत्पन्न किये जानें, कार्यशाला एवं सगोष्ठी आयोजित किये जानें तथा उनमें प्रतिभाग किये जानें जैसे अन्य तमाम शैक्षणिक गतिविघियों के उन्नयन हेतु भी आर्थिक सहायता प्राविधानित है। इस योजना के अर्न्तगत संस्थान में प्राविघानों के अर्न्तगत समस्त दिशाओं में कार्यक्रम आयोजित किये गयें। इसके अर्न्तगत ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। स्टार्ट –अप सेल की गतिविघियॉ प्रारम्भ हो गयी हैं।

अस्थाई प्रमाण-पत्र व प्रवजन प्रमाण- पत्र का ऑनलाइन सृजन

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के सहूलियत के लिए जून, 2017 से अस्थाई प्रमाण–पत्र व प्रवजन प्रमाण–पत्र के ऑनलाइन सृजन की सुविधा उपलब्ध कराई है। यह सुविधा वर्ष 2013–2014 एवं आगामी शैक्षणिक सत्रों के विद्यार्थियों के लिये है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर उपलब्ध प्रारूप को ऑनलाइन भर कर तत्काल प्रमाण–पत्र प्राप्त कर रहे है। इसके लिए सौ रूपए ऑनलाइन भुगतान करना होता है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई इस सुविधा से अब तक कुल 2924 विद्यार्थियों ने अस्थाई प्रमाण–पत्र एवं 918 विद्यार्थियों ने अस्थाई प्रमाण–पत्र ऑनलाइन सृजन किया है।

समाज सेवा की एक अनूठी पहल ''प्रेरणा''

विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के छात्रों द्वारा वर्ष 2014 से प्रारंभ होकर देवकली गाँव मे गरीब और जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क अध्यापन का कार्य किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरणा नाम की कक्षाएं गत तीन वर्षों से चलायी जा रही हैं आस–पास के गाँव से लगभग 30 बच्चों की संख्या के साथ प्रारंभ हुआ ये प्रयास आज एक सराहनीय रूप ले चुका है। वर्तमान में देवकली और भटानी गाँव के लगभग 225 बच्चे इन कक्षाओं से निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और 40 से अधिक इंजीनियरिंग के छात्र–छात्राएं इन बच्चों को पढ़ाने में अपना कीमती समय और प्रशंसनीय योगदान दे रहे हैं। इन कक्षाओं की शुरुआत इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षका डॉ. संतोष कुमार और डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में छात्र विशाल सिंह और अभिनव नागर के नेतृत्व से प्रारम्भ हुयी थी। प्रेरणा संस्थान वर्तमान में गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राज कुमार के मार्गदर्शन में चतुर्थ वर्ष के छात्र अमित यादव, वेद प्रकाश यादव और वरुण यादव के कुशल नेतृत्व एवं विशेष योगदान के कारण सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है।

वर्ष 2015 में ही प्रेरणा की एक शाखा आजमगढ़ जनपद के ठेकमा गाँव मे भी विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग संका्य की छात्रा साधना गौतम के प्रयास से प्रारम्भ हुई । इन कार्यों से उत्साहित होकर निकट भविष्य में जौनपुर के केराकत तहसील में भी "प्रेरणा" की एक शाखा प्रारम्भ करने का प्रयास चल रहा है। प्रेरणा में पढ़ने वाले बच्चों को न केवल स्कूली शिक्षा दी जाती है बल्कि उनका बौद्धिक, शारीरिक, नैतिक और कौशल उन्नयन करने हेतु समय–समय पर विशेष कार्यक्रम भी चलाये जाते हैं जिसमे खेलकूद प्रतियोगिता से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ साप्ताहिक एवं मासिक परीक्षाएँ भी समाहित हैं। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का मनोबल बढ़ाने तथा अन्य बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें समय–समय पर पुरष्कृत भी किया जाता है। शहर के प्रमुख समाचार पत्रों ने समय–समय पर इस प्रयास हेतु विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए खबरें भी प्रकाशित कर इस टीम का उत्साह वर्धन भी किया हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ देश में अपनी एक अलग पहचान रखता है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र संख्या लगभग 60 हजार से अधिक है। हमारे विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग प्रदेश एवं देश का सबसे बड़ा विभाग है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक उ.प्र. शासन द्वारा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कुल 318 महाविद्यालयों में 50200 छात्र संख्या आवंटित की जा चुकी है। शासन द्वारा इन महाविद्यालयों में कुल 510 इकाईयां आवंटित हैं और लगभग 10000 छात्र संख्या (100 इकाई) के आवंटन हेतु शासन स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना का चिंतन महात्मा गांधी व स्वामी विवेकानन्द के विचारों से प्रेरित है। गांधी जी का मत था कि छात्र जीवन न केवल बौद्धिक विकास का समय है बल्कि भावी जीवन के निर्माण का भी समय है। शिक्षा के तृतीय आयाम के रूप में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय सेवा योजना शिक्षण एवं समुदाय को जोड़ने वाली महत्त्वपूर्ण कड़ी है। जिससे विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओं से रूबरू कराया जाता है। स्थानीय, प्रादेशिक एवं देश तथा विदेश में भी विश्वविद्यालय को 'बापू बाजार' से विशिष्ट पहचान मिली है।

पर्यावरण को हरा–भरा बनाने के प्रयास में ''एक छात्र एक पेड़'' योजना द्वारा पौधरोपण पर बल दिया जा रहा है। जिसे राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने गति प्रदान की है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में गरीब छात्र–छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने कार्य कर रहें हैं साथ ही साथ स्वयंसेवको द्वारा विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर स्थापित किये गये। वर्तमान समय में एड्स जागरूकता कार्यक्रम को प्रभावी तरीके से संचालन हेतु 77 रेड रिबन क्लबों का संचालन किया जा रहा है। समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना के अंशकालिक कार्यक्रम अधिकारियों को ई0टी0आई0 से प्रशिक्षण प्राप्त कराये जाने की पहल की गयी है, जिससे प्रशिक्षित कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्यक्रम सम्यक तरीके से संचालित किया जा सके।

भारत सरकार के निर्देशानुसार विगत सत्र की भांति सितम्बर 2017 में प्री0आर0डी0 परेड शिविर हेतु एक दिवसीय चयन शिविर का आयोजन किया गया , जिसमें छः स्वयंसेवक तथा छः स्वयंसेविकाओं सहित 12 स्वयंसेवको का चयन भारत सरकार एवं एन0सी0सी0 जौनपुर के प्रतिनिधियों एवं संगीत प्रशिक्षकों के द्वारा निष्पक्ष रूप से किया गया। जिसका परिणाम रहा कि चयनित स्वयंसेवको मे से क्षेत्रीय निदेशालय, भारत सरकार, लखनऊ द्वारा तीन स्वयंसेवक एवं तीन स्वयंसेविकाओं का चयन प्री0आर0डी0 परेड शिविर आगरा हेतु किया गया। उक्त चयनित सभी स्वयंसेवकों द्वारा 2017–प्री0आर0डी0 शिविर, आगरा में प्रतिभाग किया। जिसमें से प्रदेश स्तर पर चननित होने वाले छः स्वयंसेवको में, बीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर से कुल तीन स्वयंसेवक–श्री सत्यम सुन्दरम् मौर्य–राजा श्री कृष्ण

दत्त महाविद्यालय, जौनपुर, श्री भारतेन्दु सिंह–सुखदेव किसान पी0जी0कालेज, फूलपुर, बुढ़ानपुर, गाजीपुर एवं श्री विवेक कुमार–सहकारी पी0जी0 कालेज, मिहरावां, जौनपुर का चयन भारत सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा आर0डी0 परेड–2018 में प्रतिभाग करने के लिए किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 एवं यूनीसेफ के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय कार्यशाला प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित हुयी। जिसमें विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विभिन्न संस्थाओं से चार अंशकालिक कार्यक्रम अधिकारियों (दो महिला एवं दो पुरूष) को दिनांकः 05 व 06 दिसम्बर 2017 को प्रतिभाग करने हेतु भेजा गया। उक्त प्रशिक्षित कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा अपनी–अपनी संस्था में एक दिवसीय कार्यशाला का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षित स्वयंसवको में से जेण्डर चैम्पियन आठ स्वयंसेवक (04 महिला व 04 पुरूष) तथा एक कार्यक्रम अधिकारी को दिनांकः 27 व 28 दिसम्बर, 2017 को साक्षरता निकेतन, लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय सोशल मीडिया के उपयोग से सामाजिक परिवर्तन विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

दिनांकः 12 जनवरी 2018 से 16 जनवरी 2018 तक भारत सरकार द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय युवा उत्सव" में विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों एवं संस्थाओं से कुल 05 स्वयंसेवक एवं 05 स्वयंसेविका सहित एक कार्यक्रम अधिकारी ने ज्ञान विहार विश्वविद्यालय, जगतपुरा, जयपुर, राजस्थान में प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले सामान्य एवं विशेष शिविर के अन्तर्गत राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर 2017 पर रन फार यूनिटी तथा मानव श्रृंखला के आयोजन के साथ–साथ कौशल विकास हेतु युवा, मिशन इन्द्रधनुष, पल्स पोलियो, लैंगिक समानता, बाल विवाह, महिला सशक्तीकरण, परिवर्तन के लिए युवा, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, स्वच्छता अभियान, एड्स जागरूकता रैली, मतदाता जागरूकता रैली, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जलसंरक्षण, एवं साक्षरता आदि जैसे विषयों पर रैली, गोष्ठी, नुक्कड़ नाटक, स्लोगन, बैनर के माध्यम से समाज को जागरूक किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में रोवरिंग/रेंजरिंग

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर रोवरिंग/रेंजरिंग के क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी विश्वविद्यालय है। जिसके पास रोवर्स/रेंजर्स का भवन है। पांच जनपदों के विभिन्न महाविद्यालयों में प्रशिक्षित प्राध्यापक कार्यरत है। जो अपने महाविद्यालय में रोवर्स/रेंजर्स की गतिविधियां संचालित हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा रोवर्स/रेंजर्स गतिविधियों को संचालित करने के लिए एक विश्वविद्यालय संयोजक और प्रत्येक जनपद में एक–एक जनपदीय संयोजक नियुक्त किया गया है।

रोवर्स/रेंजर्स का मोटो – सेवा करो है। विश्वविद्यालय द्वारा अप्रशिक्षित रोवर्स/रेंजर्स लीडरों को प्रशिक्षण देने के साथ–साथ प्रत्येक वर्ष रोवर्स/रेंजर्स छात्र छात्राओं को प्रवेष, निपुण एवं राज्यपाल प्रमाण पत्र हेतु शिविर लगाकर प्रशिक्षण दिया जाता है।

सत्र 2016–17 का प्रादेशिक समागम दिनांक 22 फरवरी 2017 से 24 फरवरी 2017 तक आगरा कालेज आगरा मे सम्पन्न हुआ जिसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध श्री गांधी पी.जी. कालेज मालटारी आजमगढ़ के रोवर्स को प्रथम स्थान एवं डी.सी.एस.के. पी.जी. कालेज मऊ की रेंजर्स टीम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत रोवर्स/रेंजर्स द्वारा निम्न कालेजों में 100–100 पेड़ लगाये गये।

भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे पल्स पोलियो मतदाता जागरूकता अभियान पर्यावरण संरक्षण आदि सम्बन्धित कार्यों में रोवर्स/रेंजर्स कार्य करते रहते है। इस प्रकार वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विष्वविद्यालय, जौनपुर के रोवर्स/रेंजर्स एवं लीडर्स आत्मीय भाव से लगातार समाजिक सेवा के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए प्रदेष स्तर पर विजेता होने का इतिहास कायम रखा।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप

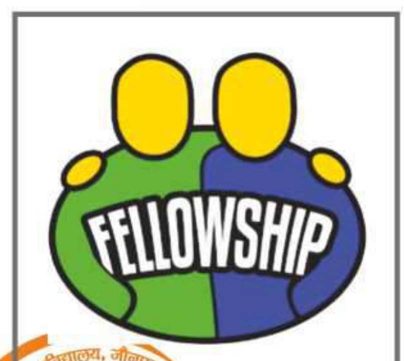

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान के उन्नयन हेतु पहली बार विश्वविद्यालय पोस्ट डॉक्टरोल फेलोशिप की व्यवस्था की गई है। यह पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जो अपने स्रोतों से पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान करेगा। परिसर में संचालित भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, व्यवसाय प्रबंधन, मानव संसाधन विकास, कृषि व्यवसाय, ई–वाणिज्य, वित्त और नियंत्रण, व्यवसाय अर्थशास्त्र, कंप्यूटर अनुप्रयोग, फार्मेसी, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन, माइक्रोबायोलॉजी, पर्यावरण विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग , इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विषयों में 05 वर्ष के लिए पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान की जाएगी। पहले दो वर्षों तक फेलो को रू0 38,000/– (अड़तीस हजार रूपए) प्रतिमाह एवं तीसरे वर्ष से रू0 46,500/– (छियालीस हजार पांच सौ रूपए) प्रतिमाह प्रदान किया जाएगा। साथ हीं रू0 50,000/– (पचास हजार रूपए) प्रतिमाह कंटीजेंसी एवं दिव्यांग जनों को रू0 2,000/– (दो हजार रूपए) अतिरिक्त दिया जाएगा।

शोध गंगा पर विश्वविद्यालय का प्रदेश में पहला स्थान

a reservoir of Indian theses

विश्वविद्यालय यूजीसी के पोर्टल शोधगंगा पर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में पूर्वांचल प्रथम और देश में तीसरे स्थान पर पहुँच गया है। विश्वविद्यालय के सभी शोध ग्रंथ अब ऑनलाइन पढ़े जा सकते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा शोध गंगा एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया गया जिस पर शोध ग्रंथ को अपलोड किया जाता है। इस पर अपलोड होने के बाद इंटरनेट के माध्यम से कोई भी शोध ग्रंथों को पढ़ सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा शोध ग्रंथों को अपलोड करने का कार्य 2016 से प्रारंभ हुआ। विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुरानी थीसिस को स्कैन कर डिजिटल रूप प्रदान किया गया और उसे शोधगंगा की वेबसाइट पर पूरी सूचना के साथ अपलोड कर दिया गया है।
देश के 310 विश्वविद्यालय शोध गंगा पर पंजीकृत हैं। इस पोर्टल पर पहले स्थान पर कोलकाता विश्वविद्यालय है जिसकी 10705 थीसिस अपलोड है। दूसरे स्थान पर सावित्री फुले पुणे विश्वविद्यालय जिसकी 8873 अपलोड है। वही पूर्वांचल विश्वविद्यालय की 7529 थीसिस ऑनलाइन अपडेट हो चुकी हैं।

सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालय – 2017

क्रमांक	जनपद	राजकीय महाविद्यालय	अनुदानित महाविद्यालय	स्ववित्त पोषित महाविद्यालय	कुल महाविद्यालयों की संख्या
1.	आजमगढ़	02	10	199	211
2	गाजीपुर	03	08	271	282
3	मऊ	02	04	135	141
4	जौनपुर	02	14	154	170
5	इलाहाबाद (हंडिया)	—	01	—	01
	कुल	09	37	759	805

परीक्षा सत्र 2016–17 में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

	पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या			उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या		
	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्रायें	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्रायें
कुल परीक्षार्थियों की संख्या	164099	63986	100113	153871	58987	94884
स्नातक परीक्षार्थी	131716	52643	79073	122593	48190	74403
परास्नातक परीक्षार्थी	32383	11343	21040	31278	10797	20481
स्वर्ण पदक धारक स्नातक विद्यार्थी	17	08	09			
स्वर्ण पदक धारक परास्नातक विद्यार्थी	41	12	29			
कुल पदक धारक	58	20	38			

संकायवार शोध उपाधि धारकों की सूची

क्र.सं.	संकाय का नाम	शोधार्थियों की संख्या
1.	कला संकाय	163
2.	विज्ञान संकाय	34
3.	शिक्षा संकाय	17
4.	वाणिज्य संकाय	08
5.	कृषि संकाय	06
6.	प्रबंध संकाय	01
	योग	229

विश्वविद्यालय परिसर में आमंत्रित वाह्य विशेषज्ञ
जनवरी 2017 - जनवरी 2018

आन्ध्र प्रदेश

- प्रो.रजनीकान्त शुक्ला, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति, आन्ध्रप्रदेश।
- प्रो. एम.एम. इलबाल, आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम।

कश्मीर

- प्रो. अख्तर अली खांन, कृषि विश्वविद्यालय, कश्मीर।
- प्रो. आरिफा बुसरा, काश्मीर विश्वविद्यालय, कश्मीर।

झारखण्ड

- प्रो.जनार्दन भगत, संत विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड।
- डॉ.मीरा जायसवाल, रांची विश्वविद्यालय, रांची, झारखण्ड।

मध्य प्रदेश

- प्रो.एन. सी. गौतम, कुलपति, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट।
- प्रो. दिवाकर शर्मा, डॉ. हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश।
- प्रो.एम.एस. तिवारी, डॉ. एच.एस. गौड़ केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश।
- प्रो. श्रीकांत सिंह, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।
- प्रो. अंजली श्रीवास्तव, ए.पी.एस. विश्वविद्यालय, रीवां।
- डॉ. गिरिधर माथंकर, मध्य प्रदेश।
- डॉ. एस.के. चतुर्वेदी, एम.जी. चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्यप्रदेश।
- डॉ. बिरेन्द्र कुमार सिंह कृषि विश्वविद्यालय, बांदा।
- डॉ. सरोज गुप्ता, महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, मध्यप्रदेश।
- डॉ. वी.के. श्रीवास्तव, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश।
- डॉ. आर.एन. यादव, डॉ. हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश।

शिलांग

- प्रो.आर.एन. राय, नार्थ इस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, बिजनी, शिलांग ।

चंडीगढ़

- प्रो.एन.के. ओझा, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।

उड़ीसा

- प्रो. पी.के. कारा, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा।

पंजाब

- डॉ.एम.एस. रन्धवा, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला पंजाब।

राजस्थान

- प्रो. निर्मला सिंह, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान।
- प्रो. रविकांत गुण्ठे, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान।
- डॉ. चन्द्र शेखर पति त्रिपाठी, भौतिकी विभाग, जयपुर विश्वविद्यालय, राजस्थान।
- डॉ. अम्बेश दीक्षित, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जोधपुर।
- डॉ. मंजू सिंह, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान।

हैदराबाद

- डॉ.आशीष कुमार पाण्डेय, केमिकल डिवीजन जीओलाजीकल सर्वे आफ इंडिया, हैदराबाद।

उत्तराखण्ड

- प्रो. प्रभात कुमार, गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
- डॉ. संतराम वैश्य, गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
- प्रो. डी.डी. नैथनी, हेमवती नन्दन बहुगुणा विश्वविद्यालय, गढ़वाल।
- प्रो. आर.के. अग्रवाल, एच.एन.वी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
- डॉ.एच. सी. पुरोहित,देहरादून विश्वविद्यालय,देहरादून।
- डॉ. पंकज चंदेल,देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
- डॉ. गोपाल कृष्ण शर्मा,देव संस्कृति विश्वविद्यालय,हरिद्वार।

मेघालय

- प्रो. हितेन्द्र कुमार मिश्र, पूर्वात्तर विश्वविद्यालय, शिलांक, मेघालय।

महाराष्ट्र

- डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई।
- डॉ. कृष्ण कुमार सिंह, अन्तराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, बरधा, महाराष्ट्र।

उत्तर प्रदेश

- प्रो. बृजेन्द्र सिंह, लखनऊ विश्वविद्याल, लखनऊ।
- प्रो. बाली राम,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. कुशेंद्र मिश्रा,बाबा भीम राव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. के.पी.सिंह,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. कल्पलता पांडे,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. हरी प्रकाश, भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. पी.एन. सिंह, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. पी.के. मिश्रा, काशी हिन्दू विश्वविद्याल, वाराणसी।

- प्रो. रंजना प्रकाश, भौतिक विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. रमेश चंद्र,पूर्व कुलपति, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी।
- प्रो. राणा कृष्ण पाल सिंह,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. राम गोपाल,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. सुदर्शन शुक्ला,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. सुनीता मिश्र, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. उदय प्रताप सिंह, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी ।
- प्रो. वंदना सिंह, रसायन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. आर. के. सिंह, भौतिकी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,वाराणसी।
- प्रो. आर. पी. सिंह, पूर्व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो.ए. सत्यनारायण, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. एस. एन. राय, मेरठ विश्वविद्यालय।
- प्रो. एस.के. द्विवेदी, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. शेखर श्रीवास्तव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. बीहन शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।
- प्रो. बेचन शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. बलराज मित्तल,एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ।
- प्रो. के.के. अग्रवाल, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
- प्रो. मधु तपाड़िया, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. मल्लिका चतुर्वेदी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. मीरा दूबे, छोटा महादेवा गोरा बाजार, गाजीपुर।
- प्रो. गिरिजा प्रसाद दूबे, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. भरत सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. पी.सी. मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय।
- प्रो. प्रदीप सिंह आई.टी.आई. कानपुर।
- प्रो. राम मोहन पाठक, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी।
- प्रो. सुधीर कुमार शुक्ला, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।
- प्रो. सुषमा पाण्डेय डी.डी.यू. गोरखपुर, विश्वविद्यालय।
- प्रो.उमाकान्त यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. डॉ. तुहीना वर्मा, डॉ.आर.एम.एल. अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद।
- प्रो. डॉ. अख्तर अली, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. डॉ. गोपेश्वर नारायण, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. अनिल उपाध्याय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी।
- प्रो. आर्य एल सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. आर.एस. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. आर. एन. खरवार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. आर. एल. सिंह राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो. आर. के. सिंह, के.जी.एम.सी., लखनऊ।
- प्रो. ओम प्रकाश सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. ए. एन. द्विवेदी इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. ए.के. तिवारी, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. ए.के. पाण्डेय,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. ए.के. श्रीवास्तव, बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो. ए.के. अवस्थी, अवकाश प्राप्त, आगरा।
- प्रो.ए.पी. सिंह बी.एच.यू. वाराणसी।
- प्रो.एस.के. मित्तल, अवकाश प्राप्त, गाजियाबाद।
- प्रो.एस.के. चौहान, दयालबाग विश्वविद्यालय, आगरा।
- प्रो.एच.एन. मिश्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो.एच.एन. दूबे, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. एच.के. शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. एच.डी. पाण्डेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. एल.डी. खेमानी, दयालयबाय एजूकेशन इस्टीट्यूत, आगरा।
- प्रो. योगेश्वर तिवारी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो.यू.डी. मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. ऋषि पाण्डेय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. (श्रीमती) असिया एजाज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो. ऊषा सिंह, महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. बेचन शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. कालीचरन स्नेही, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. के.एम. शर्मा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. के.के. अग्रवाल, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी।
- प्रो. मीरा दीक्षित, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो.मीनाक्षी सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. मुक्ता रानी रस्तोगी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

21वाँ दीक्षान्त समारोह

- प्रो. हिमाशु पाण्डेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. रिपुसूदन सिंह, भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. विद्या अग्रवाल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. विजय बहादुर सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. चितरन्जन मिश्र, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. निशि पाण्डेय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. गितिका, एम.एन.एन. आई.टी., इलाहाबाद।
- प्रो. हर्ष कुमार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. हरिशंकर मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. हौसिला प्रसाद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्यप्रदेश।
- प्रो. पंकज श्रीवास्तव, एम.एन.एन.आई.टी., इलाहाबाद।
- प्रो. पी.सी. मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. परशुराम पाल, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. प्रशान्त अग्रवाल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. रघुवीर सिंह तोमर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. रंजना बाजपेयी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. रश्मि पाण्डेय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. रविशंकर सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो. श्रीनिवास पाण्डेय, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. राम सकल यादव, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो.रामलखन सिंह,राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय,फैजाबाद।
- प्रो. राजीव गौड़, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो. राजेन्द्र कुमार सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. संतोष कुमार मित्तल, एम.एम.आई. पी.जी. कालेज, मोदीनगर, गाजियाबाद।
- प्रो. संजय गुप्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो. संजीव कुमार, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।
- प्रो. संजीव कुमार, आगरा विश्वविद्यालय आगरा।
- प्रो. संजीव भदौरिया, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. संजीव शर्मा, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- प्रो. सी.बी. द्विवेदी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. सर. बालकृष्ण अग्रवाल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।
- प्रो. सुमित्रा गुप्ता, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. सतीश कुमार, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. वशिष्ठ अनूप, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. वी.एन. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. वी.एन. शर्मा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. वी.के. त्रिपाठी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. वेंकटेश सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. जयशंकर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. जमशेद नासिर, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो. जी.पी. नायक, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. अब्दुल मुनीर, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो. टी.सोम,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. आई.एल. सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. आर. एम. बनिक आई. आई. टी. काशी हिन्दू विश्वविधालय,वाराणसी।
- प्रो. आर.एन. खरवार, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. आर.एन. सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो. आर.के. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो. आर.पी. सिंह, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो. आनन्द कुमार अवस्थी, 25 सिन्डिकेट बैंक रोड़, आगरा।
- प्रो. आनन्द शंकर सिंह, बी.एच.यू., वाराणसी।
- प्रो. गीता श्रीवास्तव, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- प्रो. लक्ष्मण राय, बी.एच.यू., वाराणसी।
- श्री मोहित गुप्ता, राजकीय पॉलिटेक्निक, कानपूर देहात।
- श्री रत्नाकर,सामाजिक विचारक, वाराणसी।
- श्री सुजीत कुमार, जीएसटी विशेषज्ञ, लखनऊ।
- डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंह, इलाहाबाद ।
- डॉ. धन्नजाई यादव, बीबीएस इंजिनियरिंग एवं तकनीकी कॉलेज, इलाहाबाद।
- डॉ. योगेन्द्र पाल कोहली, गोरखपुर।
- डॉ. बी.पी. चौरसिया के.एन.आई.टी., सुल्तानपुर।
- डॉ. प्रवीण प्रकाश,केंद्रीय विश्वविद्यालय सारनाथ, वाराणसी।
- डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविदयालय, जौनपुर।
- डॉ. कीर्ति सिंह, पूर्व कुलपति, आचार्य नरेन्द्रदेव कृषि विश्वविद्यालय फैजाबाद।
- डॉ. मुकेश कुमार सिंह, मोतीलाल नेहरु राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, इलाहाबाद।
- डॉ. पंकज कुमार,बी.एम. कॉलेज, इलाहाबाद।
- डॉ. रवि शंकर सिंह, आई.आई.टी., काशी हिन्दू विशविविद्याल, वाराणसी।
- डॉ. राकेश कुमार, भौतिकी विभाग,यूपी कॉलेज, वाराणसी।
- डॉ. संगीता साहू, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ. सत्य देव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

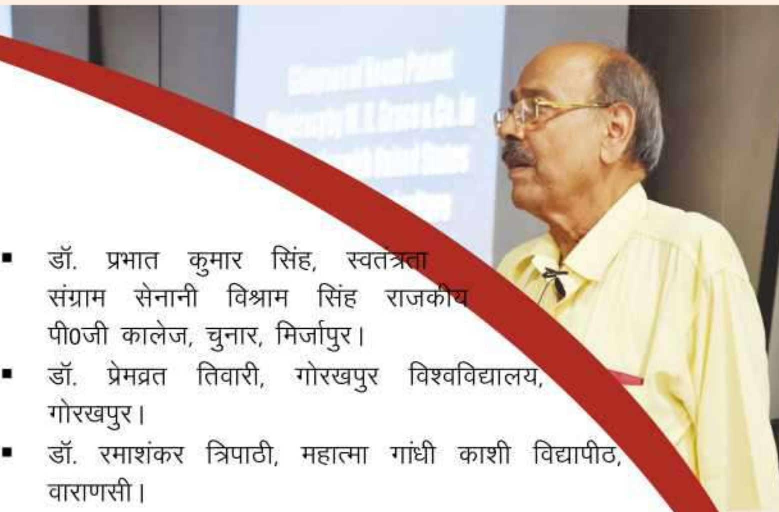

- डॉ. डी.एल. गुप्ता,के.एन.आई.टी., सुल्तानपुर।
- डॉ. डी.के. यादव, एम.एन.एन.आई.टी., इलाहाबाद।
- डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह,यूपी कॉलेज, वाराणसी।
- डॉ. फूल सिंह यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. नीलेंद्र बादल,के.एन.आई.टी., सुल्तानपुर।
- डॉ. अरुण के शुक्ला,आईआईटी, कानपुर।
- डॉ. अख्तर हुसैन, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
- डॉ.अनिल यादव, आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- डॉ. अनिल कुमार यादव, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ। .
- डॉ. अरविन्द कुमार तिवारी,बीएसएनवी स्नातकोत्तर कॉलेज, लखनऊ।
- डॉ. आशुतोष कुमार शुक्ला, ई. क्रिश्चियन कॉलेज, इलाहाबाद।
- डॉ. आलोक गुप्ता, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय मुक्त शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद।
- डॉ. अवधेश कुमार, के.एन.आई.टी., सुल्तानपुर।
- डॉ. अश्वनी गुप्ता, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
- डॉ. लोकेन्द्र कुमार, भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डा. पूरन सिंह, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- डा. श्रद्धानन्द, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डा. नीरजा अग्रवाल, सी.एस.ए.यू., कानपुर।
- डॉ. एम.के. रावत आगरा कालेज, आगरा ।
- डॉ. एच.पी. सिंह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. एल.आर. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. बलिराम,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. बी.के. घोष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, इग्नू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ।
- डॉ. के.के. श्रीवास्तव, आई.सी.ए.आर.सी.आई.सी.एच., लखनऊ।
- डॉ. महबूब अबदुरब, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. दिनेश कुमार सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. दिनेश सिंह, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. विशाल जैन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. जितेन्द्र तिवारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- डॉ. पी.के. मिश्रा,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता,लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ. प्रहलाद कुमार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. प्रभात कुमार सिंह, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय पी0जी कालेज, चुनार, मिर्जापुर।
- डॉ. प्रेमव्रत तिवारी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. रमेश चन्द्र, कृषि विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद।
- डॉ संजय सिंह,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. सी.के. द्विवेदी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. सभाजीत यादव,महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. सौबान सईद, उर्दू–फारसी विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ सुषमा मल्होत्रा, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. सुशील कुमार गौतम, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. सुरेन्द्र नाथ राय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ. सत्या सिंह महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ. सूर्य नारायण सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. डी. कार चौधरी, लखनऊ।
- डॉ. उदय सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- डॉ. दीपक डे,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. वी.सी. काफरी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. जयप्रकाश, आगरा कालेज, आगरा।
- डॉ. जे.एन. पाल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ. अशोक प्रताप सिंह, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. अखिलेश कुमार सिंह एम.एन.एन.आई.टी., इलाहाबाद।
- डॉ. आर.एन. त्रिपाठी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ. ओ.पी. राय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ.आलोक श्रीवास्तव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मऊ नाथ भंजन।
- डॉ. अनन्त बहादुर, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी।
- डॉ. गायत्री राय, बी.एच.यू., वाराणसी।

पश्चिम बंगाल

- प्रो. हरेराम तिवारी, आई.आई.टी. खडगपुर, पश्चिम बंगाल।
- प्रो. वी.सी.झा, कोलकता।
- डॉ. मेहर वान, आईआईटी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल।
- डॉ. आशीष श्रीवास्तव, विश्वभारती विनय भवन, पश्चिम बंगाल।
- प्रो. मुक्तेश्वर नाथ तिवारी, विश्व भारती शान्ती निकेतन, पंश्चिम बंगाल।

बिहार

- प्रो. यू.पी सिंह, तिलकामाझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार।
- प्रो. मुहम्मद नाजिम, पटना विश्वविद्यालय, पटना।
- डॉ. प्रमोद कुमार सिन्हा, टी.एन. भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर, बिहार।

गुजरात

- प्रो. परवेज अब्बासी, नर्वदा साउथ गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात।
- प्रो. छाया गोयल, एम.एस. विश्वविद्यालय, बडोदरा, गुजरात।

नई दिल्ली

- प्रो. नीरज खरे,आई.आई.टी, नई दिल्ली।
- प्रो. क्रिशन लाल,पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली
- प्रो. एस.ए.एम. पाशा, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
- प्रो. एस.जेड.एच. जाफरी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- प्रो. कमलेश राय, एन.सी.इ.आर.टी., नई दिल्ली।
- प्रो. के.के. कथुरिया, अर्जुन अपार्टमेन्ट, नई दिल्ली।
- प्रो. मो. मजहर अली खां, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।
- प्रो. दिनेश सिंह, आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली।
- प्रो. संजय कुमार पाण्डेय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
- प्रो. डी.आर. गोयल, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।
- प्रो.जी.पी. ठाकुर, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली।
- प्रो. अविनाश कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- प्रो. गरिमा श्रीवास्तव, जे.एन.यू., नई दिल्ली।
- डॉ. ए. जय कुमार,सेक्रेटरी जनरल,विज्ञान भारती, नई दिल्ली।
- डॉ. युधिष्ठिर कुमार यादव, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली।
- डॉ. प्रमोद कुमार यादव, एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी,नई दिल्ली
- डॉ. महावीर सिंह,राष्टीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली
- डॉ. मनोज कुमार पटेरिया, निदेशक, निस्केयर,नई दिल्ली ।
- डॉ. गिरधर मिश्र, एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली।
- डॉ. पी. के. मिश्रा, पूर्व प्रबंधक, ओएनजीसी।
- डॉ. राजीव कुमार, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- डॉ. देव राज सिंह, एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी,नई दिल्ली।
- डॉ. अवनीश कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला, नई दिल्ली।
- डा. दिनेश सिंह, आईए.आर.आई., नई दिल्ली।
- डॉ. ए.के. सिंह, डी.एस.टी. टेक्नोलॉजी भवन, नई दिल्ली।
- डॉ. बी.के. सिंह, इंडियन एग्रीकल्चर रिर्सच सेन्टर नई दिल्ली।
- डॉ. बटेश्वर सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- डॉ. सुनील भरला,सामाजिक विचारक, नई दिल्ली।
- डॉ. जसीम अहमद, जामियामिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

तमिलनाडु

- प्रो. वी. राजेंद्रन, प्रोफेसर एंड डायरेक्टर,सेंटर फॉर नेनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु।

केरल

- डॉ. पी. पलानिचामी, कलपक्कम ।

महाराष्ट्र

- डॉ. शिव कान्त शुक्ला, बायो टेक्नोलॉजी शोध केंद्र, भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान मुंबई।
- प्रो.विलास ए तभाने, भौतिक विभाग, पुणे विश्वविद्यालय,पुणे।

मिजोरम

- डॉ.अमित सिंह,मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम।

हिमाचल प्रदेश

- प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री,कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश।

हरियाणा

- प्रो. एस. के. सिन्हा, चौधरी रणबीर सिंह वि.वि. जीन्द, हरियाणा।

गोवा

- डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, पार्वती वाई चोगले कालेज, मड़गांव, गोवा।

त्रिपुरा

- प्रो. सत्यदेव पोद्दार, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, त्रिपुरा।

राजस्थान

- प्रो. एस.पी. व्यास, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।

छत्तीसगढ़

- आचार्य रामेन्द्रनाथ मिश्र, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्वविद्यालय, रायपुर।

राजभवन में खिलाड़ी सम्मान समारोह में श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्री राम नाईक जी को स्मृति चिन्ह देते कुलपति।

राजभवन में खिलाड़ी सम्मान समारोह में सम्मानित खिलाड़ी।

विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में मा. राज्यपाल श्री रामनाईक जी आशु कवि श्री दरबारी लाल यादव की रचनाएं पुस्तक का विमोचन करते हुए।

वस्तु एवं सेवा कर विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मा. उप मुख्यमंत्री प्रो. दिनेश शर्मा को सम्मानित करते कुलपति।

विश्वविद्यालय में श्रीराम कथा अमृत वर्षा के लिए पधारे आचार्य शांतनु जी महाराज को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव।

कत्थक कलाकार रवि सिंह को सम्मानित करते मा. मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ जी एवं कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव।

संगोष्ठी भवन में प्रस्तुति देते बी.एच.यू. के डॉ. रमाशंकर यादव एवं उनकी टीम।

कवि सम्मेलन।

योग यात्रा में महामंडलेश्वर स्वामी श्री अखिलेश्वरानन्द जी,
कुलपति एवं विश्वविद्यालय परिवार।

ग्रोथ ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी इन द यूनिवर्सिटी कैंपस विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला को सम्बोधित करते प्रो. किशनलाल।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग मुद्रा में महामंडलेश्वर स्वामी श्री अखिलेश्वरानन्द जी एवं कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव।

सामाजिक समरसता में पूर्वांचल का योगदान विषयक संगोष्ठी में बोलते शिक्षाविद् प्रो. यू.पी. सिंह एवं मंचासीन प्रख्यात विचारक श्री इन्द्रेश जी।

युवा संसद।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कथक कलाकार
श्री विशाल कृष्ण एवं उनकी टीम।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कुलपति प्रो. राजाराम यादव ।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव।

क्षेत्रीय पत्रकारिता का नया दौर विषयक संगोष्ठी में काशी विद्यापीठ वाराणसी के प्रो. ओम प्रकाश सिंह को स्मृति चिन्ह देते संकायाध्यक्ष डॉ. अजय प्रताप सिंह।

विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय विश्वविद्यालय शिक्षा पद्धति सम्मेलन में सम्बोधित करते मा. कुलाधिपति श्री राम नाईक जी।

. बीसवें दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति जी एवं मंचासीन मुख्य अतिथि पदमश्री डॉ. बी. एन. सुरेश जी।

बीसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक धारक को प्रमाण–पत्र देते मा. कुलाधिपति श्री रामनाईक जी।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में उ.प्र. के मा. मुख्यमंत्री श्री योगी अदित्यनाथ जी को
अभिनन्दन पत्र भेंट करते कुलपति।

भवनों का शिलान्यास करते उ.प्र. के
मा. मुख्यमंत्री श्री योगी अदित्यनाथ जी एवं कुलपति।

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
दिनांक : 12 जनवरी 2018
''राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह''
मुख्य अतिथि : महंत श्री योगी आदित्य नाथ जी मा. मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

कुलगीत

वीर बहादुर सिंह विश्व-विद्यालय का हरितांचल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा'', जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''।।
पूर्व दिशा का ताज रहा है,
''भारत का शीराज'' रहा है,
यह यमदग्नि-यजन की बेदी यह ''कुतबन'' का मादल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा'', जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''।।
दो धर्मों की मिलन-धुरी यह,
राग सलोना ''जौनपुरी'' यह,
संघर्षों की झंझर में झंकृत जिसके जीवन-पल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा'', जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''।।
नये सृजन की सजी आरती,
उतरी वीणा लिये भारती,
नव-जागरण-थाल में अर्पित यह पावन तुलसी-दल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा'', जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''।
कला-शिल्प-विज्ञान कलेवर,
छलकाये प्रकाश के निर्झर,
धेनुमती-तमसा-गंगा का यह पावन क्रीड़ास्थल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा'', जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''।।
नीति हमारी सरल-तरल हो,
जिसमें जन का क्षेम-कुशल हो,
गौतम-कपिल-कणाद-पंतजलि हों आदर्श अचंचल।
जय-जय-जय ''पूरब की आत्मा'', जय-जय-जय ''पूर्वाञ्चल''।।